11th ANNIVERSARY

त्रिपुरी टाइम्स

www.tripuritimes.com

वर्ष 11 अंक 57

जबलपुर, गुरुवार 26 मार्च 2026

पृष्ठ संख्या : 8 मूल्य : 2 रुपए

भारत में ईंधन का कोई संकट नहीं :सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और सोशल मीडिया पर फैल रही भ्रामक खबरों के बीच केन्द्र और राज्य संचालित तेल कंपनियों ने स्पष्ट किया है कि भारत में पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं है। पिछले 48 घंटों के दौरान पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति बाधित होने की अफवाहें तेजी से फैलीं, जिससे देश के कुछ हिस्सों में लोगों में चिंताएं बढ़ी और कुछ पेट्रोल पंपों पर भीड़ देखी गई। हालांकि अधिकारियों ने इन आशंकाओं को पूरी तरह निराधार बताया और कहा कि भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद भारत की ईंधन सुरक्षा मजबूत बनी हुई है। एक विस्तृत परामर्श में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने नागरिकों को आश्वस्त किया है कि देश में ईंधन का पर्याप्त भंडार मौजूद है और सभी आपूर्ति श्रृंखलाएं सामान्य रूप से काम कर रही हैं। कंपनी ने कहा कि पेट्रोल और डीजल की कमी की अफवाहें पूरी तरह गलत हैं और घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है।

बीपीसीएल ने कहा, 'पेट्रोल और डीजल की कमी को लेकर फैलाई जा रही खबरें पूरी तरह निराधार हैं। भारत में ईंधन का पर्याप्त भंडार है और आपूर्ति व्यवस्था सामान्य है। बीपीसीएल पूरी तरह संचालन में है और निर्बाध ईंधन आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध है। कृपया अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा करें।' कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया कि देश में पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं है और भारत इन ईंधनों का शुद्ध निर्यातक है। कच्चे तेल, पेट्रोल, डीजल और विमानन ईंधन (एटीएफ) का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और आपूर्ति श्रृंखला में किसी प्रकार की बाधा नहीं है। कंपनी ने बताया कि उसकी सभी रिफाइनरी, डिपो और पेट्रोल पंप पूरी क्षमता के साथ काम कर रहे हैं। नागरिकों से अपील की गई है कि वे घबराकर ईंधन की अनावश्यक खरीद न करें। इस बीच, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने भी कहा कि देश की सभी रिफाइनरी उच्च क्षमता पर चल रही हैं और कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक बनाए रखा गया है। मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि देशभर में सभी खुदरा ईंधन आउटलेट सामान्य रूप से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'कुछ क्षेत्रों में अफवाहों के कारण घबराहट में खरीदारी देखी गई, जिससे पेट्रोल पंपों पर असामान्य भीड़ हुई। सरकार ने जनता से अपील की है कि वे अफवाहों पर विश्वास न करें और आश्वस्त किया है कि देशभर में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है।

फर्जी पासपोर्ट के सहारे विदेश भागने वाला बांग्लादेशी मुंबई एयरपोर्ट पर गिरफ्तार

मुंबई, एजेंसी। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर इमिग्रेशन अधिकारियों ने एक बांग्लादेशी नागरिक को फर्जी भारतीय पासपोर्ट के सहारे विदेश जाने की कोशिश करते हुए गिरफ्तार किया। घटना बुधवार तड़के करीब 4:15 बजे हुई, जब अधिकारी गणेश गवली ड्यूटी पर थे। जांच के दौरान यात्री के दस्तावेज पहली नजर में सामान्य लगे, लेकिन पासपोर्ट में कोलकाता का पता और मोबाइल नंबर में बांग्लादेश का कंट्री कोड देखकर अधिकारी को संदेह हुआ। उसे तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों के पास ले जाया गया, जहां उसने अपनी असली पहचान उजागर की। आरोपी का नाम सुकांता मल्लीक (39) है और वह बांग्लादेश के गोपालगंज जिले का निवासी है। उसने बताया कि वह वर्ष 2012 में अवैध रूप से भारत आया था और 2022 में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर भारतीय पासपोर्ट बनवाया। इसके अलावा उसने पैन कार्ड, वोटर आईडी और राशन कार्ड जैसे कई सरकारी दस्तावेज भी फर्जी तरीके से हासिल किए थे। जांच में यह भी पता चला कि आरोपी फ्लाइट नंबर टीसी-401 से डार सिटी, कांगो जा रहा था। उसका उद्देश्य फर्जी भारतीय पहचान के सहारे विदेश में बसना था। इमिग्रेशन अधिकारियों ने आरोपी के पास से भारतीय पासपोर्ट, बोर्डिंग पास, पैन कार्ड, वोटर आईडी, राशन कार्ड, बांग्लादेश का जन्म प्रमाण पत्र, उसकी मां का पासपोर्ट और मोबाइल फोन बरामद किए।

टीएमसी को भ्रष्ट पार्टी बताकर पूर्व विधायक एवं राजबंशी नेता बर्मन भाजपा में हुए शामिल

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों की आहट के साथ ही राज्य का राजनीतिक पारा तेजी से चढ़ने लगा है। राज्य में सत्ता की जंग तेज होते ही दलबदल और रणनीतिक घेराबंदी का सिलसिला शुरू हो गया है। इसी कड़ी में तृणमूल कांग्रेस को उस समय बड़ा झटका लगा, जब पूर्व विधायक अर्घ्य रॉय प्रधान और प्रमुख राजबंशी नेता बंशी बदन बर्मन ने औपचारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया। इससे पहले उन्होंने टीएमसी को भ्रष्ट पार्टी करार दिया। यह घटनाक्रम राजनीतिक रूप से तब और महत्वपूर्ण हो गया जब भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन राज्य की चुनावी तैयारियों की समीक्षा करने के लिए अपने दो दिवसीय दौरे पर कोलकाता पहुंचे हुए हैं। मेखलीगंज से पूर्व विधायक अर्घ्य रॉय प्रधान और ग्रेटर कूचबिहार आंदोलन का चेहरा रहे बंशी बदन बर्मन ने प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार और विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ली। अर्घ्य रॉय प्रधान, जिनके पिता अमर रॉय प्रधान आठ बार सांसद रह चुके हैं, ने अपनी पुरानी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी पार्टी में बने रहना उनके लिए अब संभव नहीं था और वे अपने क्षेत्र की जनता को जवाब देने की स्थिति में नहीं थे।

वहीं, बंशी बदन बर्मन का भाजपा में आना उत्तर बंगाल की राजनीति में गेमचेंजर साबित हो सकता है। बर्मन ने स्पष्ट किया कि उन्होंने राजबंशी भाषा को मान्यता देने और समुदाय के अधिकारों की रक्षा की शर्तों पर केंद्रीय नेतृत्व को समर्थन दिया है। शुभेंदु अधिकारी ने इस मौके पर कहा कि उत्तर बंगाल के विकास के लिए बर्मन के सुझावों पर विचार किया जाएगा। भाजपा की यह पैठ केवल ग्रामीण इलाकों तक सीमित नहीं है; हाल ही में कोलकाता नगर निगम के एकमात्र कांग्रेस पार्षद संतोष पाठक ने भी भाजपा का हाथ थाम लिया था।विशेषज्ञों का मानना है कि नितिन नवीन का यह दौरा और विपक्षी नेताओं का लगातार भाजपा में शामिल होना टीएमसी के लिए एक गंभीर चुनौती है।

दिल्ली सहित 10 राज्यों में फिर बिगड़ेगा मौसम

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली समेत उत्तर भारत में फिर मौसम बदलने वाला है। अगले 24 घंटों में हल्की बारिश की संभावना। हिमाचल, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में बारिश और बर्फबारी का अनुमान है। देश की राजधानी दिल्ली में इन दिनों मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। बुधवार को अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 24 घंटों में यानी गुरुवार को एक बार फिर हल्की बारिश हो सकती है। इसके अलावा 27 मार्च के आसपास भी बारिश की संभावना जताई गई है, जिससे गर्मी से कुछ राहत मिलने के आसार हैं। उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश और बर्फबारी की संभावना है। 26 से 30 मार्च के बीच इन राज्यों के अलग-अलग जिलों में गरज के साथ बारिश की संभावना है। ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी भी हो सकती है। मैदानी इलाकों की बात करें तो पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ को हल्की बारिश की संभावना है। वहीं उत्तर प्रदेश में 27 मार्च को मौसम बदल सकता है, जहां कई जगहों पर हल्की बारिश और तेज हवाएं चलने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार, 28 से 30 मार्च के बीच एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा, जिससे उत्तर-पश्चिम भारत के बड़े हिस्से में बारिश का एक और दौर देखने को मिल सकता है। इस दौरान दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के कई इलाकों में बारिश और आंधी चल सकती है। पूर्वोत्तर भारत में भी मौसम का असर साफ दिखाई देगा। 26 मार्च को अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में कई दिनों तक बारिश के साथ तेज हवाएं चल सकती हैं। कुछ स्थानों पर भारी बारिश की भी चेतावनी दी गई है। वहीं नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में भी गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना बनी हुई है। पूर्वी भारत के राज्यों जैसे बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में भी अलग-अलग दिनों में बारिश और तेज हवाओं का असर देखने को मिलेगा। खासकर उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में ओलावृष्टि और तेज हवाओं के साथ भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

ट्रंप की वीजा पॉलिसी से भारत और चीन को बड़ा नुकसान, 84000 की कमी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में 2025 के पहले आठ महीनों के दौरान कानूनी अप्रवासन में तेज गिरावट दिखी गई है, इसमें भारत और चीन सबसे अधिक प्रभावित देशों में शुमार हैं। ट्रंप प्रशासन द्वारा वीजा नीतियों को सख्त करने के कारण यह गिरावट हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी विदेश विभाग ने जनवरी से अगस्त 2025 तक 2024 की इसी अवधि की तुलना में करीब 250,000 कम वीजा जारी किए। मार्च की शुरुआत में जारी आधिकारिक आंकड़ों के आधार पर स्थायी निवासी और अस्थायी वीजा की कुल स्वीकृतियों में 11 प्रतिशत की गिरावट आई है। यह गिरावट छात्रों, कामगारों और अमेरिकी नागरिकों और कानूनी निवासियों के परिवार के सदस्यों के वीजा पर लागू होती है। इस अवधि के दौरान पर्यटक वीजा में भी कमी देखी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत और चीन में वीजा की संख्या में सबसे अधिक गिरावट आई है। इन देशों के नागरिकों के वीजा में करीब 84,000 की कमी आई। रिपोर्ट के मुताबिक, यह गिरावट मुख्य रूप से छात्र, श्रमिक और पारिवारिक वीजा की संख्या में कमी के कारण हुई। अंतर्राष्ट्रीय छात्र सबसे अधिक प्रभावित हुए है। 2025 के पहले आठ महीनों में छात्र वीजा में 30 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखी गई है। एक्सचेंज वीजा में भी भारी गिरावट होने और इनकी संख्या करीब 30,000 कम हुई है। स्थायी निवास या ग्रीन कार्ड के लिए वीजा स्वीकृतियों में भी कमी आई है। सबसे बड़ी गिरावट कामगारों, अफगानिस्तान और इराक जैसे देशों के नागरिकों के वीजा में देखी गई। अधिकारियों और विश्लेषकों ने गिरावट का कारण नीतिगत बदलावों और प्रशासनिक कारकों के संयोजन को बताया है। इसमें 19 देशों पर यात्रा प्रतिबंध, छात्र वीजा साक्षात्कारों पर अस्थायी रोक और सोशल मीडिया जांच सहित विस्तारित जांच आवश्यकताएं शामिल हैं। विदेश विभाग में कर्मचारियों की छंटनी से भी प्रक्रिया क्षमता कम हो गई है। कई व्यस्त स्थानों पर कम कांसुलर अपॉइंटमेंट और लंबे प्रतीक्षा समय की सूचना मिली है। विश्लेषकों का कहना है कि नीति और मांग दोनों कारक गिरावट के लिए जिम्मेदार होते हैं। निस्कनेन सेंटर की सेसिलिया एस्टरलाइन ने कहा, 'हमारे पास यह स्पष्ट रूप से बताने के लिए कोई डेटा नहीं है कि इस गिरावट का कितना हिस्सा मांग और कितना नीति के कारण है।

बांग्लादेशी पीएम रहमान ने दिखाया आईना बोले- हमारे यहां पाकिस्तान ने किया था नरसंहार

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने बुधवार को नरसंहार दिवस के अवसर पर 1971 के शहीदों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं और श्रद्धांजलि अर्पित की। यह दिन 25 मार्च, 1971 की उस भयावह रात की याद में मनाया जाता है, जब पाकिस्तानी सेना ने ऑपरेशन सर्चलाइट के नाम पर तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) के निर्दोष और निहत्थे नागरिकों पर बर्बरता की सभी हदें पार कर दी थीं। प्रधानमंत्री ने इस दिन को इतिहास के सबसे शर्मनाक और काले अध्यायों में से एक करार दिया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए एक विस्तृत संदेश में प्रधानमंत्री रहमान ने कहा कि 25 मार्च, 1971 को पाकिस्तानी सेना ने एक पूर्व-नियोजित साजिश के तहत ढाका विश्वविद्यालय, पिलखाना और राजरबाग पुलिस लाइन्स जैसे स्थानों पर शिक्षकों, बुद्धिजीवियों और आम जनता पर अंधाधुंध गोलियां बरसाईं। उन्होंने इस संगठित हत्याकांड पर सवाल उठाते हुए कहा कि उस समय के राजनीतिक नेतृत्व की भूमिका और इस नरसंहार का प्रभावी विरोध न हो पाना आज भी शोध का विषय है। उन्होंने याद दिलाया कि इसी काली रात के बाद चट्टोग्राम में 8वीं ईस्ट बंगाल रेजीमेंट ने हम विद्रोह करते हैं का नारा बुलंद कर सशस्त्र प्रतिरोध शुरू किया था, जिससे नौ महीने लंबे ऐतिहासिक मुक्ति संग्राम की नींव पड़ी। प्रधानमंत्री ने वर्तमान और भावी पीढ़ियों से आग्रह किया कि वे स्वतंत्रता के वास्तविक मूल्य को समझने के लिए इस बलिदान के इतिहास को जानें। उन्होंने देशवासियों का आह्वान किया कि वे एक ऐसे बांग्लादेश का निर्माण करें जो न्यायपूर्ण, समृद्ध, आत्मनिर्भर और लोकतांत्रिक हो। उन्होंने समानता, मानवीय गरिमा और सामाजिक न्याय को राज्य की मूल भावना बनाने पर जोर दिया। इसी बीच, मानवाधिकार संगठन बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद ने अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में पेश उस प्रस्ताव का स्वागत किया है, जिसमें 1971 के इन जघन्य अपराधों को आधिकारिक तौर पर नरसंहार की मान्यता देने की मांग की गई है। यह प्रस्ताव हाल ही में अमेरिकी सांसद ग्रेग लैंड्समैन द्वारा पेश किया गया है, जिसे बांग्लादेशी समाज में एक बड़े अंतरराष्ट्रीय समर्थन के रूप में देखा जा रहा है।

घरेलू गैस बुकिंग में नए नियम, सालाना कोटा अब सख्त

नई दिल्ली , एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच सरकार ने घरेलू गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कड़े नियम लागू किए हैं। अब भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल) ग्राहकों को महीने में केवल दो सिलेंडर ही बुक करने की अनुमति देगा। इससे अधिक बुकिंग करने की कोशिश करने पर सिस्टम ऑटोमैटिक ब्लॉक कर देगा या कड़ी पूछताछ होगी। सरकार हर वित्तीय वर्ष (अप्रैल-मार्च) में 12 सब्सिडी वाले सिलेंडर देती है। इसके अलावा ग्राहक साल भर में 3 अतिरिक्त सिलेंडर बिना सब्सिडी के ले सकते हैं। कुल मिलाकर एक कनेक्शन पर साल में 15 सिलेंडर ही उपलब्ध होंगे। पिछले नियमों के अनुसार दो सिलेंडरों के बीच 21 दिन का अंतर था। नए नियम के तहत अब यह अवधि बढ़ाकर 25 दिन कर दी गई है। इसका मतलब है कि पिछले सिलेंडर लेने के बाद अगले सिलेंडर के लिए कम से कम 25 दिन इंतजार करना होगा। यदि ग्राहक का सालाना कोटा पूरा हो गया और फिर भी गैस चाहिए, तो उसे हैलो बीपीसीएल ऐप के माध्यम से आवेदन करना होगा। ऐप पर कारण बताना अनिवार्य होगा, जैसे शादी, फंक्शन या आने वाले मेहमान। कंपनी समीक्षा के बाद ही एक्स्ट्रा सिलेंडर देगी। सिलेंडर डिलीवरी के समय मोबाइल पर वन-टाइम पासवर्ड (डीएसी) अनिवार्य होगा। केवल रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से ही बुकिंग मान्य होगी। इसके अलावा ईकेवायसी पूरी होना जरूरी है, नहीं तो सब्सिडी रुक सकती है और बुकिंग में परेशानी हो सकती है।

रूस-चीन की तकनीक से मिली ताकत, ईरानी मिसाइलें लगा रहीं सटीक निशानें

ईरान ने दागी डिएगो गार्सिया पर बलिस्टिक मिसाइलें, पश्चिम देश टेंशन में

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने शुक्रवार को दुनिया को एक नई तरह की जंग की झलक दिखाई। ऐसी जंग जिसमें सिर्फ मिसाइलें ही नहीं, बल्कि सैटलाइट और एआई भी बराबरी से शामिल रहा। ईरान ने करीब 3800 किमी दूर हिंद महासागर में स्थित अमेरिका-ब्रिटेन के संयुक्त सैन्य अड्डे डिएगो गार्सिया पर लंबी दूरी की बलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हालांकि ये मिसाइलें अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी, लेकिन इस घटना ने डिफेंस सेक्टर में हलचल मचा दी है। रूस के मिसाइल लॉन्च सिस्टम, चीन के सैटलाइट, एआई सर्विलांस और ईरान के मिसाइल सिस्टम का ऐसा गठजोड़ दिखा कि पश्चिमी देश टेंशन में आ गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जैसे फोन में गूगल मैप्स काम करता है और हमें रास्ता दिखाता है, उसी तरह दुनिया भर के देशों के पास अपने सैटलाइट नेविगेशन सिस्टम हैं। अमेरिका के पास जीपीएस है, रूस के पास ग्लोनास और यूरोप के पास गेल्लियो है। इसी तरह चीन का अपना सिस्टम ब्याडियो है। अब फर्क यह है कि जीपीएस पर अमेरिका का कंट्रोल होता है यानी अगर युद्ध की स्थिति हो, तो अमेरिका दुश्मन देश के जीपीएसस सिग्नल को कमजोर या बंद कर सकता है। इसे जैमिंग या स्पूफिंग कहा जाता है। यहीं से कहानी में ट्विस्ट आता है। पिछले कुछ साल में ईरान को यह समझ आ गया कि अगर वह जीपीएस पर निर्भर रहेगा, तो युद्ध के समय उसकी मिसाइलें भटक सकती हैं। इसलिए उसने धीरे-धीरे चीन के ब्याडियो सिस्टम का इस्तेमाल किया। ब्याडियो का फायदा यह है कि इसके मिलिट्री सिग्नल ज्यादा सुरक्षित होते हैं और इन्हें जाम करना आसान नहीं होता। मिसाइल को अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए रास्ता चाहिए होता है, ठीक वैसे ही जैसे आपको किसी नई जगह जाने के लिए गूगल मैप की जरूरत होती है। पहले मिसाइलें सिर्फ इनर्शियल सिस्टम यानी अंदर लगे सेंसर के भरोसे चलती थीं, लेकिन यह सिस्टम थोड़ी बहुत गलती कर सकता है। जब इसमें ब्याडियो जैसा सैटलाइट सिस्टम जुड़ जाता है, तो मिसाइल को लगातार अपडेट मिलता रहता है कि सही रास्ते पर हैं या नहीं। इससे किसी भी मिसाइल की सटीकता बढ़ जाती है। ईरान की मिसाइलें इसी वजह से सटीक लोकेशन पर हमला कर रही हैं। जानकारी के मुताबिक गलती सिर्फ 1 मीटर से कम। जीपीएस के सिविलियन वर्जन में 5-10 मीटर है। मिलिट्री सिग्नल में फ्रीक्वेंसी हॉपिंग और ऑथेंटिकेशन है यानी इसके सिग्नल को आसानी से नहीं रोका जा सकता। मिसाइल उड़ते समय भी 2000 किमी दूर से कमांड भेज सकते हैं यानी रास्ता बदल सकते हैं। एक्सपर्ट्स का दावा है कि ब्याडियो खुद एआई पर नहीं चलता, लेकिन ईरान की मिसाइल में जो रिसीवर होता है, उसमें एआई का इस्तेमाल किया जा रहा है। एक रिपोर्ट में फ्रेंच इंटेलिजेंस के पूर्व डायरेक्टर अलैन जुइलेट ने कहा कि ईरान की मिसाइलें अब पहले से ज्यादा सटीक हैं। जीपीएस की जगह चाइनीज सिस्टम इस्तेमाल करने से यह हो रहा है। चीन के ब्याडियो में करीब 45 सैटलाइट्स हैं, जो खाड़ी देशों और हिंद महासागर में अच्छा कवरेज देते हैं। जुइलेट के मुताबिक युद्ध के दौरान दुश्मन देश कोशिश करता है कि सैटलाइट सिग्नल को खराब कर दिया जाए।

एमपी में 5वीं का रिजल्ट 95%, 8वीं का 94% रहा

टॉप टेन जिलों में नरसिंहपुर नंबर वन, इंदौर का स्थान 9वां; भोपाल इस लिस्ट से बाहर

भोपाल। मध्य प्रदेश राज्य शिक्षा केंद्र ने बुधवार को कक्षा 5वीं और 8वीं का वार्षिक परीक्षा परिणाम जारी कर दिया है। स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने वल्लभ भवन में एक कार्यक्रम के दौरान बटन दबाकर रिजल्ट घोषित किया। इस साल 5वीं के 95.14% और 8वीं के 93.83% स्टूडेंट्स पास हुए हैं। दोनों कक्षाओं में छात्रों की तुलना में छात्राओं ने बेहतर प्रदर्शन किया है। 8वीं के पासिंग स्टूडेंट्स के परसेंटेज में स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह का नरसिंहपुर जिला नंबर वन पर है। इंदौर का 9वां स्थान है और भोपाल टॉप टेन से बाहर है। परिणाम देखने की प्रक्रिया को इस बार बेहद आधुनिक और आसान बनाया गया है। छात्र और अभिभावक राज्य शिक्षा केंद्र के पोर्टल पर जाने के अलावा, विभाग द्वारा जारी दफ कोड को स्कैन करके भी सीधे अपना रिजल्ट देख सकते हैं। इसके अलावा, स्कूल के प्राचार्य भी पोर्टल के जरिए अपने पूरे संस्थान का विद्यार्थीवार प्रदर्शन चेक कर सकेंगे।

शहरी की तुलना में ग्रामीण स्टूडेंट ज्यादा : इस साल 5वीं और 8वीं की परीक्षा में 23,68,984 छात्र शामिल हुए थे। 5वीं और 8वीं को मिलाकर कुल 16,78,567 छात्र ग्रामीण क्षेत्रों से थे। वहीं, शहरी छात्रों की संख्या मात्र 6,90,417 रही।

5वीं में शामिलः ग्रामीण स्टूडेंट 9,24,783 (72.45%) और शहरी 3,51,621 (27.55%) थे। छात्र 51.58% और छात्राएं 48.42% थीं।

8वीं में शामिलः ग्रामीण स्टूडेंट 7,53,784 (68.99%) और शहरी 3,38,796 (31.01%) थे। छात्र 51.27% और छात्राएं 48.73% थीं।

बोर्ड पैटर्न पर हुई थी परीक्षा : इस बार प्रदेश के सरकारी, निजी स्कूलों और मदरसों के करीब 23.68 लाख विद्यार्थियों ने बोर्ड पैटर्न पर परीक्षा दी थी। फरवरी में आयोजित इन परीक्षाओं के लिए प्रदेश भर में मूल्यांकन का विशाल कार्य किया गया। 322 केंद्रों पर 1.10 लाख से अधिक शिक्षकों ने कॉपियों की जांच की, जिसके बाद अंकों की ऑनलाइन प्रविष्टि की गई।

मध्यप्रदेश में तेल किल्लत की अफवाह, पेट्रोल पंपों पर भीड़

कई शहरों में कतारें लगीं; रतलाम में 5 दिन का स्टॉक एक दिन में खत्म

भोपाल। मध्य प्रदेश के कई जिलों में पेट्रोल-डीजल की कमी की अफवाह ने अचानक हालात बिगाड़ दिए हैं। सोशल मीडिया पर फैली भ्रामक खबरों के कारण लोगों में घबराहट फैल गई और पेट्रोल पंपों पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी। कई जगहों पर लंबी कतारें लग गईं और लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ा। हालांकि, प्रशासन और पेट्रोल पंप संचालकों का साफ कहना है कि कहीं भी ईंधन की कमी नहीं है। पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और सप्लाई भी लगातार जारी है। इसके बावजूद लोग टैंक फुल करवा रहे हैं, जिससे कुछ जगहों पर अव्यवस्था की स्थिति बन गई।

शहरों के हालात

शाजापुरः बुधवार सुबह पेट्रोल-डीजल की किल्लत के कारण कई पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लग गईं। राधा चौराहे, बस स्टैंड और बेरछा रोड स्थित एचपी पंपों पर एडवांस भुगतान न होने से सप्लाई बंद है जबकि टंकी चौराहे का भारत पंप भी खाली हो गया है। फिलहाल, रिलायंस पंप पर सीमित मात्रा में ईंधन मिल रहा है।

खरगोनः महेश्वर-बड़वाह रोड स्थित पेट्रोल पंप पर बुधवार सुबह करीब 400 वाहनों की कतार लग गई। भीड़ के कारण कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ। पंप संचालक ने बताया कि पर्याप्त स्टॉक है और सभी को जरूरत के अनुसार ईंधन दिया जा रहा है। कर्मचारियों ने स्थिति संभालकर व्यवस्था बनाई।

रतलामः रतलाम में कुछ पेट्रोल पंप बंद हैं जबकि खुले पंपों पर भीड़ लगी हुई है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए टू-व्हीलर में 200 रुपए और चार पहिया वाहनों में 1000 रुपए तक ही पेट्रोल-डीजल दिया जा रहा है। पंप संचालकों के अनुसार स्टॉक पर्याप्त है, लेकिन लोग जरूरत से ज्यादा ईंधन भरवा रहे हैं।

सेंधवाः सेंधवा में भी अफवाहों के बीच पेट्रोल पंपों पर सुबह से भीड़ बढ़ गई। पंप संचालकों और प्रशासन ने स्पष्ट किया कि ईंधन की कोई कमी नहीं है। लोगों से अनावश्यक भीड़ न करने की अपील की गई है।

आगर मालवाः पिपलोन कला के कुबड़िया खेड़ी पेट्रोल पंप पर सुबह से वाहनों की कतार लगी रही। पर्याप्त स्टॉक की जानकारी के बावजूद लोग टैंक फुल करवा रहे हैं। वहीं, कानड़ में मंगलवार रात भीड़ के बीच पहले पेट्रोल भरवाने को लेकर विवाद हो गया, जो मारपीट तक पहुंच गया। बाद में लोगों ने स्थिति को शांत कराया।

इटारसीः रेलवे स्टेशन के सामने स्थित पेट्रोल पंप पर भीड़ उमड़ पड़ी। दोपहिया और चारपहिया वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। भीड़ के कारण यातायात प्रभावित हुआ, हालांकि कर्मचारियों ने स्थिति संभाली। लेकिन दिनभर भीड़ बनी रही।

कुक्षीः बाग क्षेत्र के चार में से तीन पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल खत्म हो गया। नायरा पंप पर प्रति बाइक सिर्फ 100 रुपए का पेट्रोल दिया जा रहा है। अचानक बढ़ी पैनिक बाइंग के कारण स्टॉक खत्म हुआ। अब नए टैंकर मंगवाए गए हैं।

उज्जैनः उज्जैन में भी प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पेट्रोल-डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है। कलेक्टर रोशन कुमार सिंह के अनुसार, सप्लाई लगातार जारी है और आगे भी किसी तरह की कमी नहीं होगी।

अधिकारी बोले- भोपाल में 3 महीने के लिए पर्याप्त स्टॉक : भोपाल में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है। इसके बावजूद एयरपोर्ट रोड के एक पंप पर 200 रुपए तक पेट्रोल देने का मामला सामने आया, जिसकी शिकायत भी की गई है। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने लोगों से जरूरत के अनुसार ही ईंधन लेने की अपील की है। भोपाल के फूड कंट्रोलर चंद्रभान सिंह जादौन के अनुसार, शहर में 58.79 लाख किलोलीटर पेट्रोल-डीजल का स्टॉक है, जो ढाई से तीन महीने तक के लिए पर्याप्त है। मध्य प्रदेश पेट्रोल पंप ओनर एसोसिएशन के अनुसार, करीब 5 प्रतिशत पंपों पर एडवांस राशि की समस्या के कारण अस्थायी कमी है। कुल मिलाकर ईंधन की कमी नहीं है।

भोपाल के भौंरी स्थित इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के डिपो से शहर के 192 पंपों को रोजाना 12 लाख लीटर डीजल और 9 लाख लीटर पेट्रोल की सप्लाई की जा रही है। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने अपील की है कि किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें।

बालाघाट में गैस एजेंसियों पर भी भारी भीड़ दिख रही बालाघाट में पेट्रोल पंपों के साथ गैस एजेंसियों पर भी भारी भीड़ देखने को मिली। एजेंसी संचालक के अनुसार स्टॉक पर्याप्त है, लेकिन अफवाहों के कारण सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग पहुंच गए। भीड़ बढ़ने पर स्थिति संभालने के लिए पुलिस की मदद लेनी पड़ी।

इंडेन कंपनी का मैसेज- 31 से 32 दिन बाद दूसरा सिलेंडर

दो सिलेंडर कनेक्शन वालों को इंडेन की डिलीवरी की दूसरी तारीख 30 दिन बाद की दी जा रही है। इसके मैसेज भेजे जा रहे हैं। 26 दिन बाद बुकिंग फिर करीब 5-6 दिन की वेटिंग के बाद सिलेंडर की डिलीवरी हो रही है। यानी 31 से 32 दिन बाद दूसरा सिलेंडर मिलेगा।

ट्रेक्टर से भिड़कर कार के परखच्चे उड़े...3 दोस्तों की मौत

एक युवक की हालत नाजुक, गाड़ी काटकर निकाले गए, देर रात चाय पीने जा रहे थे

भोपाल। भोपाल में ट्रैक्टर ट्रॉली से आमने-सामने की भिड़ंत में कार सवार तीन युवकों की मौके पर मौत हो गई। चौथा गंभीर रूप से घायल है। हादसा मंगलवार रात ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र के निपानिया इलाके में हुआ। पुलिस के मुताबिक, गुलाब मेहर चंदेरी गांव के सचिव हैं। उनकी पत्नी रेखा सरपंच हैं। उनका बेटा हर्ष मेहर, भतीजा सतीश मेहर, दोस्त लकी अहिरवार और गब्बर कार में रात 11:30 बजे चाय पीने के लिए गांव से निपानिया के लिए रवाना हुए। कुछ दूर जाने पर कार सामने से आ रही भूसे से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली से टकरा गई। हादसे में हर्ष, सतीश और लकी की मौत हो गई। गब्बर गंभीर रूप से घायल है।

ट्रैक्टर की एक ही हेडलाइट जल रही थी

टक्कर इतनी भीषण थी कि कार की चेसिस को काटकर शव और घायल को बाहर निकालना पड़ा। शुरूआती जानकारी में सामने आया है कि ट्रैक्टर की केवल एक हेडलाइट जल रही थी, जिससे सामने आ रहे वाहन का सही अंदाजा नहीं लग सका।

कार चला रहा हर्ष मेहर बी. कॉम का छात्र था लखन कुशवाह उर्फ लकी (26) सागौनी गांव बैरसिया रोड का रहने वाला था और खेती करता था। हर्ष मेहर (23) ग्राम काछी बरखेड़ा का निवासी और बी. कॉम फाइनल ईयर का छात्र था। वह परिवार का इकलौता बेटा था। उसकी एक बड़ी बहन है। हादसे के समय वही कार चला रहा था। कार भी उसी की थी। सतीश मेहर (26) ग्राम काछी बरखेड़ा का रहने वाला था। वह पिता के साथ खेती करता था। परिवार में दूसरे नंबर का था, उससे बड़ा भाई और छोटी बहन है। योगेश सेन उर्फ गब्बर सेन (27) काछी बरखेड़ा का है। वह गंभीर रूप से घायल है, उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। योगेश भी अपने पिता के साथ खेती करता था।

भोपाल में दिव्यांग बच्चों के साथ सीएम ने मनाया जन्मदिन

महिला मोर्चा की कार्यकताओं ने लगाई मेंहदी, लिखा- शक्ति का आशीर्वाद

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव आज अपना 61वां जन्मदिन मना रहे हैं। भोपाल में मुख्यमंत्री निवास में दिव्यांग बच्चों के साथ सीएम ने जन्मदिन मनाया। मप्र सरकार के मंत्रियों, विधायकों और बीजेपी के पदाधिकारियों, कार्यकताओं ने उन्हें सीएम हाउस पहुंचकर बधाई दी।

युवा मोर्चा के कार्यकताओं ने भेंट किया त्रिशूल : बीजेपी युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर के नेतृत्व में युवा मोर्चा के कार्यकर्ता सीएम हाउस पहुंचे। युवा मोर्चा के कार्यकताओं ने सीएम को त्रिशूल भेंट कर जन्मदिन की बधाई दी।

चिट्ठियां लेकर पहुंची महिलाएं : बड़ी संख्या में बीजेपी महिला मोर्चा की कार्यकताओं ने सीएम को हाथ से लिखी चिट्ठियां भेंट कीं। इस दौरान बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे, मंत्री कृष्णा गौर, प्रतिमा बागरी, महिला मोर्चा की महामंत्री मोना सुस्तानी मौजूद रहे। अलग-अलग तरह के गिफ्ट बॉक्स बनाकर महिलाएं सीएम हाउस पहुंचीं।

सीएम बोलेः बहनों के आशीर्वाद का दिन : सीएम ने कहा हमारी सरकार के गठन के बाद से बहनों का आशीर्वाद जिस प्रकार से मिला है। पूरे देश के लिए मप्र एक प्रकार से आकर्षक प्रदेश है। आज भले ही मेरा जन्मदिन हो लेकिन, वास्तव में आज का दिन बहनों के आशीर्वाद का दिन है।

सरकारी कार्यालयों में हेलमेट न पहनने पर जुमार्ना

बैतूल। बैतूल में सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देश पर बुधवार को कलेक्ट्रेट और एसपी कार्यालय में हेलमेट जांच का विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान हेलमेट नहीं पहनने वाले 14 शासकीय कर्मचारियों पर चालानी कार्रवाई करते हुए कुल 4200 रुपये का जुमार्ना वसूला गया। कलेक्ट्रेट परिसर में डिप्टी कलेक्टर तृप्ति पटेरिया, कोतवाली थाना प्रभारी देवकरण डहरिया और यातायात पुलिस की संयुक्त टीम ने जांच की। अभियान के दौरान अधिकांश कर्मचारी हेलमेट पहने मिले। हालांकि, नियमों का उल्लंघन करने वाले 8 कर्मचारियों पर प्रति व्यक्ति 300 रुपये के हिसाब से कुल 2400 रुपये का जुमार्ना लगाया गया।

इसी तरह, एसपी कार्यालय में भी हेलमेट जांच अभियान चलाया गया। यहां एसपी वीरेंद्र जैन और एएसपी कमला जोशी की निगरानी में पुलिस कर्मियों और कार्यालय आने-जाने वाले कर्मचारियों के हेलमेट की जांच हुई। ट्रैफिक अमला और गंज थाना टीआई नीरज पाल भी मौके पर मौजूद रहे। एसपी कार्यालय में 6 कर्मचारियों के चालान बनाकर कुल 1800 रुपये की कार्रवाई की गई। इस प्रकार, दोनों स्थानों पर कुल 14 कर्मचारियों के खिलाफ चालानी कार्रवाई कर जुमार्ना वसूला गया।

लोकभवन राज्य की प्रशासनिक गरिमा का प्रतीक- राज्यपाल पटेल

राज्यपाल श्री पटेल ने सुदृढ़ीकृत नवनिर्मित प्रवेश द्वार का किया लोकार्पण

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने लोकभवन के प्रवेश द्वार क्रमांक- 2 के जीर्णोद्धार एवं सुदृढ़ीकरण कार्य का बुधवार को लोकार्पण किया। उन्होंने भारत माता के जयघोष के साथ फीता खोलकर प्रवेश द्वार का उद्घाटन किया। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि लोकभवन प्रदेश की प्रशासनिक गरिमा का प्रतीक है। प्रवेश द्वारों का सुदृढ़ और सुव्यवस्थित होना सुरक्षा के साथ ही राज्य की सांस्कृतिक स्थापत्य पहचान को भी सशक्त करता है। उन्होंने राज्य की सांस्कृतिक विशिष्टताओं के अनुरूप गेट निर्माण के लिए संबंधित विभागों की सराहना की। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी भी मौजूद थे। लोकभवन के प्रवेश द्वार क्रमांक- 1 एवं 2 के जीर्णोद्धार एवं सुदृढ़ीकरण कार्य की पूर्णता तक लगभग 98 लाख 65 हजार रुपयों की लागत आई है। प्रवेश द्वारों की संरचनात्मक सुदृढ़ीकरण, सौंदर्यीकरण, सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए कार्य किए गए हैं, जिससे लोकभवन परिसर का स्वरूप और अधिक आकर्षक, सुरक्षित और सुविधाजनक हुआ है।

गांधी जयंती पर हुआ था प्रवेश द्वार क्र.- 1 का लोकार्पण

राज्यपाल श्री पटेल ने अप्रैल 2025 में लोकभवन के प्रवेश द्वार क्रमांक- 1 एवं 2 के जीर्णोद्धार एवं सुदृढ़ीकरण कार्य का भूमि-पूजन किया था। उन्होंने पूजा-अर्चना कर निर्माण कार्य की आधारशिला रखी थी। राज्यपाल श्री पटेल लोकभवन के प्रवेश द्वार क्र.- 1 के जीर्णोद्धार एवं सुदृढ़ीकरण कार्य के बाद विगत वर्ष गांधी जयंती के अवसर पर उसका लोकार्पण किया था। उसके बाद प्रवेश द्वार क्रमांक-2 का सुदृढ़ीकरण कार्य प्रारम्भ हुआ।

इस अवसर पर राज्यपाल के उप सचिव श्री सुनील दुबे, विशेष कर्तव्य अधिकारी श्री अरविंद पुरोहित, लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता श्री संजय मस्के, वरिष्ठ अधिकारी, अभियंता तथा लोकभवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

सिलेंडर को माला पहनाकर बढ़ती कीमतों का विरोध

रायसेन। रायसेन में बुधवार को ब्लॉक कांग्रेस ने घरेलू गैस सिलेंडर की किल्लत और बढ़ती कीमतों के विरोध में महामाया चौक पर प्रदर्शन किया। कार्यकताओं ने खाली गैस सिलेंडरों को माला पहनाकर सड़क पर रखकर अपना विरोध जताया और तहसीलदार को राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मनोज अग्रवाल और जीसी गौतम के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकताओं ने कहा कि आम जनता महंगाई से त्रस्त है। उन्होंने आरोप लगाया कि 8-8 दिनों तक कतार में लगने के बाद भी गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। कार्यकताओं ने गैस सिलेंडर की बढ़ी हुई कीमतों को तत्काल वापस लेने की मांग की। राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन में केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ कड़ा आक्रोश व्यक्त किया गया। इसमें आरोप लगाया गया कि वर्तमान सरकार भ्रष्टाचार, महिला सुरक्षा और किसान विरोधी मुद्दों पर पूरी तरह निष्क्रिय है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारीयो ने जल्द से जल्द व्यवस्था सुधारने और आम जनता को राहत देने की मांग की।

इंदौर संभाग में जल गंगा संवर्धन अभियान को मिल रहा जनआंदोलन का रूप

अभियान के अंतर्गत आयोजित की जा रही हैं विभिन्न गतिविधियां

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर प्रदेशभर में संचालित ह्जल गंगा संवर्धन अभियान-2026ह्व के अंतर्गत इंदौर संभाग में जल संरक्षण एवं संवर्धन को जनआंदोलन का रूप मिल रहा है। इंदौर संभाग में अभियान के तहत विभिन्न नवाचारपूर्ण गतिविधियों, जनभागीदारी कार्यक्रमों तथा जागरूकता प्रयासों के माध्यम से जल स्त्रोतों के संरक्षण, संवर्धन और पुनर्जीवन की दिशा में प्रभावी पहल की जा रही है।

बड़वानी में प्राचीन बावड़ी में श्रमदान कर की गई साफ-सफाई : कलेक?टर बड़वानी श्रीमती जयति सिंह ने बताया है कि देशव्यापी "जल गंगा संवर्धन अभियान" के अंतर्गत बड़वानी जिले के जल स्त्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवन का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसी कड़ी में नगर पालिका परिषद बड़वानी द्वारा मोटी माता स्थित प्राचीन बावड़ी की साफ-सफाई के लिए विशेष श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। नगर पालिका के कर्मचारियों, स्वच्छता मित्रों, विधिक सेवा प्राधिकरण और स्थानीय नागरिकों ने मिलकर प्राचीन बावड़ी परिसर में व्यापक श्रमदान कर बावड़ी से गंदगी, कचरा और गाद को बाहर निकाला गया, जिससे पारंपरिक जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित कर जलस्तर में सुधार लाया जा सके।

झाबुआ में 65 ग्राम पंचायतों में जनसहयोग से 330 ट्राली मिट्टी तालाबों से निकाली गई : कलेक?टर झाबुआ श्रीमती नेहा मीणा ने बताया है कि जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरूआत जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों द्वारा श्रमदान कर तालाब में गाद निकासी के कार्य से की गई। जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता का संदेश दिया गया। अभियान अंतर्गत जिले की 65 ग्राम पंचायतों में जनसहयोग से जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य प्रारंभ किए गए हैं। अब तक लगभग 330 ट्राली मिट्टी तालाबों से निकालकर किसानों द्वारा अपने खेतों में उपयोग की जा चुकी है, जिससे एक ओर जल स्त्रोतों की गहराई बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर भूमि की उर्वरता में भी वृद्धि हो रही है। इसके साथ ही जल गंगा संवर्धन अभियान 2025 के अंतर्गत अपूर्ण कार्यों को भी गति प्रदान की गई हैं।

कुक्षी और धरमपुरी में नदी पूजन एवं स्वच्छता गतिविधियों का आयोजन : धार जिले में भी ह्जल गंगा संवर्धन अभियानह्व के अंतर्गत जल स्त्रोतों के संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन की गतिविधियां निरंतर जारी हैं। इसी क्रम में जन अभियान परिषद द्वारा विकासखंड कुक्षी और धरमपुरी में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जन-जागरूकता का प्रसार किया गया। कुक्षी के ग्राम भत्यारी में नर्मदा की सहायक नदी ओझर पर निर्मित बांध पर "नव शक्ति से नव भक्ति" कार्यक्रम आयोजित किया गया। उपस्थित जनसमूह ने जल स्त्रोतों के संरक्षण, स्वच्छता और उनके संवर्धन का संकल्प लिया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को जल की महत्ता और उसके संचयन के प्रति संवेदनशील बनाना रहा। इसी तरह विकासखंड धरमपुरी की ग्राम पंचायत डहीवर में नवांकुर सखियों द्वारा पीपल के वृक्ष का पूजन किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों को वृक्षों के धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। "जल शक्ति से नव भक्ति" के संदेश के साथ ही प्रकृति के प्रति सम्मान और संरक्षण की भावना को सुदृढ़ करने का आह्वान किया गया।

कावेरी नदी तट पर किया गया श्रमदान : "जल गंगा संवर्धन अभियान" के तहत खण्डवा जिले के ग्राम अटूटखास में कावेरी नदी के तट ह्जल चौपालह्व आयोजित की गई। कार्यक्रम में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत अटूटखास के ग्रामीणों ने कावेरी नदी के घाटों की सफाई के लिए श्रमदान किया। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने आपसी चर्चा कर जल स्त्रोतों की साफ-सफाई और सोख्ता गड्ढों के निर्माण के सम्बंध में सहमति व्यक्त की, ताकि वर्षा का जल व्यर्थ न बहे, बल्कि वर्षा का जल भूजल स्तर वृद्धि में सहायक सिद्ध हो।

बुरहानपुर में जल है तो कल हैह्व के संदेश के साथ ली गयी सामूहिक शपथ : बुरहानपुर जिले में अभियान के अंतर्गत जल स्त्रोतों के संरक्षण, पुनर्जीवन एवं वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने के साथ-साथ जनसहभागिता के माध्यम से इसे जनआंदोलन का रूप देने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नगर पालिका परिषद नेपानगर के वार्ड क्रमांक 11 एवं 22 में विभिन्न कार्य किये जा रहे हैं। वार्ड क्रमांक 22 बीड़ रैयत स्थित अतिप्राचीन धार्मिक स्थल सीतानहानी मंदिर परिसर में साफ-सफाई एवं श्रमदान किया गया। साथ ही उपस्थितजनों को जल स्त्रोतों के संरक्षण, स्वच्छता एवं भू-जल पुनर्भरण के प्रति जागरूक करते हुए ह्जल है तो कल हैह्व के संदेश के साथ सामूहिक शपथ दिलाई गई। अभियान के तहत किए जा रहे इन प्रयासों से न केवल जल स्त्रोतों का संरक्षण सुनिश्चित होगा, बल्कि नागरिकों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी।

अब रिछाई औद्योगिक क्षेत्र जाना हुआ और आसान नगर निगम ने मार्ग को किया अतिक्रमण मुक्त

छोटी लाईन फाटक से बंदरिया तिराहा होते हुए गौरीघाट, रेलवे स्टेशन तक भी हुई कार्रवाई

मदन महल पहाड़ी क्षेत्र से 24 परिवारों को तेवर में किया गया विस्थापित

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जिला, पुलिस और निगम प्रशासन के संयुक्त अभियान में आज अधारताल औद्योगिक क्षेत्र रिछाई मार्ग को अतिक्रमण मुक्त कर यातायात व्यवस्था को सुगम बनाया गया। यह कार्यवाही कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में शहर को अतिक्रमण मुक्त और व्यवस्थित बनाने का अभियान पूरी गति से जारी है। नगर निगम की टीम ने आज शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कड़ी कार्रवाई करते हुए न केवल अवैध कब्जों को हटाया, बल्कि विस्थापन की प्रक्रिया के जरिए प्रभावित परिवारों को सुरक्षित ठिकाना भी मुहैया कराया। इस कार्यवाही से अब रिछाई औद्योगिक क्षेत्र पहुँचना और आसान और सुरक्षित हो गया है। अतिक्रमण अधिकारी मनीष तड़से ने बताया कि आज आयुर्वेदिक महाविद्यालय क्षेत्र के समीप अवैध रूप से बनी झुग्गियों और बस्ती को हटाकर क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। इससे शैक्षणिक संस्थान के आस-पास का वातावरण स्वच्छ और सुरक्षित होगा। उन्होंने बताया कि महाराजपुर रिछाई क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित मटन-मछली मार्केट के अवैध ढांचों को हटाया, बल्कि सामग्री की जब्ती करते हुए क्षेत्र को व्यवस्थित किया। वहीं पिसनहारी मढ़िया मार्केट में व्यापारियों को अनुशासन का पाठ पढ़ाते हुए दुकान के बाहर रखी सामग्री और ठेले-टपरों को हटवाया गया। निगम अधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि सार्वजनिक रास्तों पर बाधा उत्पन्न करने वालों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि मदन महल पहाड़ी क्षेत्र के संरक्षण के लिए विस्थापन कार्य निरंतर जारी है। मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए आज 24 परिवारों को सम्मानजनक रूप से तेवर में विस्थापित किया गया। अतिक्रमण अधिकारी मनीष तड़से ने बताया कि यह कार्रवाई किसी को परेशान करने के लिए नहीं, बल्कि शहर की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए है। विशेषकर मदन-महल पहाड़ी क्षेत्र को खाली कराकर उसे प्राकृतिक स्वरूप में लौटाना और परिवारों को बेहतर जगह बसाना प्रशासन की प्राथमिकता है। इस अभियान से शहर की मुख्य सड़कों पर यातायात का दबाव कम होगा और आम नागरिकों को आवागमन में सुगमता होगी। नगर निगम की इस सक्रियता की जागरूक नागरिकों द्वारा सराहना की जा रही है।

श्रीराम ने असुरों के संहार के साथ प्रदान किया मोक्ष का मार्ग

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

श्री राम जन्मोत्सव के पावन अवसर पर मदन महल स्थित श्री राम मंदिर में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम के दौरान उज्जैन के स्वामी भगवतानंद गिरी ने भगवान श्रीराम के जन्म की पौराणिक कथा का भावपूर्ण वर्णन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और श्रीराम के जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठा। कथा के दौरान स्वामी भगवतानंद गिरी ने बताया कि प्राचीन काल में अयोध्या नगरी के राजा महाराज दशरथ अत्यंत पराक्रमी और धर्मपरायण शासक थे, लेकिन उनके जीवन में एक बड़ी चिंता यह थी कि उन्हें संतान की प्राप्ति नहीं हुई थी। इस कारण वे अत्यंत चिंतित रहते थे और राज्य के भविष्य को लेकर मन में व्याकुलता बनी रहती थी।

पुत्रेष्टि यज्ञ से हुई दिव्य संतान प्राप्ति

स्वामी जी ने कथा में बताया कि गुरु वशिष्ठ के मार्गदर्शन में महाराज दशरथ ने पुत्र प्राप्ति के लिए महान ऋषि ऋष्यश्रृंग के द्वारा पुत्रेष्टि यज्ञ का आयोजन कराया। यज्ञ की पूर्णाहुति के बाद अग्निदेव प्रकट हुए और उन्होंने महाराज दशरथ को एक दिव्य खीर से भरा पात्र प्रदान किया। अग्निदेव ने कहा कि इस खीर को अपनी रानियों में बांट दें, इससे उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति होगी। राजा दशरथ ने उस दिव्य खीर को अपनी तीनों रानियों—माता कौशल्या, माता कैकेयी और माता सुमित्रा में बांट दिया। कथा के अनुसार माता सुमित्रा को दो बार खीर प्राप्त हुई, जिसके कारण उन्हें दो पुत्र प्राप्त हुए। स्वामी भगवतानंद गिरी ने बताया कि समय आने पर माता कौशल्या ने भगवान श्रीराम को जन्म दिया, माता कैकेयी से भरत का जन्म हुआ और माता सुमित्रा से लक्ष्मण तथा शत्रुघ्न का जन्म हुआ। चारों भाइयों को भगवान विष्णु का अंश माना जाता है। उन्होंने बताया कि भगवान श्रीराम का जन्म चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को पुनर्वसु नक्षत्र और मध्यान्ह में हुआ है। भगवान श्री राम का जन्म सूर्य कुल में हुआ है। श्रीराम ने सूर्य जैसी मयार्दा और अनुशासन का पालन करते हुए लीला काल में आदर्श प्रस्तुत किया है। ऋषि मुनियों को आसुरी शक्तियों से मुक्ति दिलाने के लिए निरंतर संघर्ष कर असुरों को भी सीधे मोक्ष प्रदान किया है श्रीराम कथा में श्रीराम दरबार, व्यास पीठ पूजन पं रामकुशल पांडे,गुलशन मखीजा , मनोज शर्मा,रमेश शर्मा ,जितिन नारंग,मनीष पोपली, उमेश खुराना, गीता पांडे , विजया अरोरा, नीता सहित श्रीराम मंदिर समिति महिला मंडल के पदाधिकारियों ने किया।

कृषि वानिकी को बढ़ावा देने जेएनकेवीवी में एक्सपोजर विजिट-सह-प्रशिक्षण, किसानों को दी आधुनिक तकनीकों की जानकारी

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय (जेएनकेवीवी) में किसानों को आधुनिक कृषि वानिकी तकनीकों से जोड़ने के उद्देश्य से एक्सपोजर विजिट-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (एआईसीआरपी) ऑन एग्रोफॉरेस्ट्री के अंतर्गत टीएसपी एवं एससीएसपी योजनाओं के तहत आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की प्रेरणा, संचालक अनुसंधान सेवाएं डॉ. जी.के. कौतु के मार्गदर्शन, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. जयंत भट्ट के दिग्दर्शन तथा वानिकी विभागाध्यक्ष डॉ. अजय खरे की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर किसानों को अग्रणी अनुसंधान संस्थानों एवं इकाइयों का भ्रमण कराया गया, जिसमें विभिन्न अनुसंधान केंद्र, जैव उर्वरक इकाई, उन्नत फार्म तथा विश्वविद्यालय की आधुनिक वन नर्सरी शामिल रही। भ्रमण का मुख्य उद्देश्य किसानों को कृषि वानिकी की नवीनतम तकनीकों, गुणवत्तापूर्ण पौध उत्पादन और चल रहे अनुसंधान कार्यों से प्रत्यक्ष रूप से अवगत कराना था। कार्यक्रम के दौरान किसानों को एग्रोफॉरेस्ट्री की उन्नत प्रजातियों, वैज्ञानिक नर्सरी प्रबंधन, पौध उत्पादन तकनीकों और सतत कृषि प्रणालियों के बारे में व्यावहारिक जानकारी दी गई। साथ ही वैज्ञानिकों से सीधे संवाद का अवसर प्रदान कर उनकी समस्याओं का समाधान भी किया गया। इस दौरान किसानों को ट्राइकोडर्मा पैकेट एवं नर्सरी पौधों का वितरण किया गया, ताकि वे इन उन्नत तकनीकों को अपने खेतों में अपनाकर उत्पादन और आय में वृद्धि कर सकें। विशेषज्ञों ने किसानों को कृषि वानिकी अपनाने के लिए प्रेरित करते हुए बताया कि इससे मृदा स्वास्थ्य में सुधार और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में भी मदद मिलेगी। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन एआईसीआरपी ऑन एग्रोफॉरेस्ट्री के प्रधान अन्वेषक डॉ. सोमनाथ सर्वदे द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. यशपाल सिंह, डॉ. आर.पी. डोंगरे, डॉ. पूर्णिमा मालवीय, डॉ. मनोज पाठक, डॉ. कैलाश कुमार, डॉ. अनिल कोरी, डॉ. विष्णु सोलंकी, डॉ. अजय शाह, डॉ. आकाश शुक्ला एवं श्री उमेश सिंह सहित अन्य विशेषज्ञों का विशेष योगदान रहा।

नगर निगम में महिलाओं की सुरक्षा के लिए निगमायुक्त द्वारा समिति का किया गया गठन

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने एक आदेश जारी कर कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निदेर्शों का पालन करते हुए, निगमायुक्त श्री अहिरवार ने ह्लआंतरिक शिकायत समितिह्व का गठन किया है। उन्होंने बताया कि समिति का उद्देश्य कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न के निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष के लिए एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना। इस समिति की कमान महिला अधिकारियों के हाथों में सौंपी गई है, जिसकी प्रभारी अपर आयुक्त श्रीमती अन्जू ठाकुर को पीठासीन अधिकारी बनाया गया है, वहीं उपायुक्त श्रीमती अंकिता जैन, सहायक आयुक्त सुश्री अंकिता बर्मन, और सहायक वर्ग 1 श्रीमती विनीता गायकवाड़ को समिति सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए विंध्यवासिनी स्व सहायता समूह की अध्यक्ष श्रीमती संगीता विश्वकर्मा को अशासकीय संस्था के प्रतिनिधि के रूप में सदस्य नियुक्त किया गया है। यह समिति पूर्ण गोपनीयता बनाए रखते हुए अधिनियम के तहत निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार शिकायतों का निराकरण करेगी। निगमायुक्त ने बताया कि यह कदम न केवल महिला कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाएगा, बल्कि शासकीय कार्यालयों में एक गरिमापूर्ण कार्य संस्कृति को भी बढ़ावा देगा।

नवांकुर संस्थाओं का प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् जिला द्वारा नवांकुर संस्थाओं का जिला स्तरीय सक्रियकरण बैठक सह प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित किया गया जिसमें परिषद् के सम्भाग समन्वयक रवि बर्मन उपस्थिति में की गई जिसमें तिलकराज धुर्वे सहायक संचालक मत्स्योधोग पालन विभाग एवं प्रभारी अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जबलपुर द्वारा मत्स्य पालन व पौध रोपण विषय पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में सम्भाग समन्वयक महोदय द्वारा सभी संस्थाओं से अपने अपने सेक्टर रोपणी तैयार किए जाने एवं जल गंगा अभियान अंतर्गत कार्य करने हेतु निर्देश दिए गए एवं में जिला समन्वयक घनश्याम रायपुरिया द्वारा संस्थाओं से समीक्षात्मक चर्चा कर गतिविधि आयोजन हेतु योजना बनाई गई विकासखण्ड समन्वयक विवेक मिश्रा द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत गतिविधि आयोजन हेतु परिचर्चा की गई, प्रशिक्षण के अगले सत्र में अध्ययन भ्रमण हेतु जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय भ्रमण किया गया जिसमें वानिकी विभाग की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ रश्मि शुक्ला के मार्गदर्शन में पौध रोपणी स्थापना सम्बन्धी प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

रामनवमी पर होगी राम कथा

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

श्री सनातन धर्म महासभा के तत्वावधान में 27 मार्च को श्रीमद् जगतगुरु डॉ स्वामी नृसिंह देवाचार्य महाराज व संतो के नेतृत्व में निकलने वाली रामनवमी की विशाल शोभायात्रा के समापन स्थल पर धर्म सभा के श्री गोविन्दगंज रामलीला समिति मिलौनीगंज के मंच पर सायंकाल 6 बजे से शोभायात्रा की धर्म सभा के समापन तक श्रीधाम वृंदावन से स्वामी अरविन्द महाराज संगीत मय राम कथा और भजन की प्रस्तुति देंगे। महासभा के अध्यक्ष श्याम साहनी अनिल तिवारी, अशोक मनोध्या, गुलशन मखीजा, लक्की भाटिया, अनिल तिवारी, विजय सरावगी, पवन पांडेय, राकेश पाठक, विध्येश भापकर ने धर्मावलंबियों से कथा लाभ लेने का अनुरोध किया है।

मध्यप्रदेश शासन की ओर से करदाताओं को मिला सुनहरा अवसर

अब नेशनल लोक अदालत वाली छूट करदाताओं को 31 मार्च तक मिलेगी

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मध्य प्रदेश शासन ने प्रदेश के करदाताओं के लिए राहत का एक बड़ा द्वार खोलते हुए नेशनल लोक अदालत की तर्ज पर दी जाने वाली छूट की समय सीमा को 31 मार्च तक बढ़ा दिया है। यह उन नागरिकों के लिए एक ह्लसुनहरा अवसरह्व है जो किसी कारणवश पूर्व में अपने करों का भुगतान नहीं कर पाए है। मध्यप्रदेश शासन ने 15वें वित्त आयोग की शर्तों और प्रदेश की आर्थिक वृद्धि (जी.एस.डी.पी.) के लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए, मार्च माह में वसूली को तेज करने के लिए यह सकारात्मक कदम उठाया गया है।

करदाताओं को मिलेगा दोहरा लाभ

निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने करदाताओं से अनुरोध कर कहा है कि 31 मार्च तक बकाया करों की राशि जमा करने पर एक ओर जहाँ छूट का लाभ मिलेगा वहीं दूसरी ओर 1 अप्रैल से लगने वाले सरचार्ज से भी राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि शासन की इस जनकल्याणकारी योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। वर्तमान में मिल रही यह छूट न केवल आपकी आर्थिक बचत कराएगी, बल्कि आपको एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में गर्व का अनुभव भी कराएगी।

निगमायुक्त की अपील

निगमायुक्त श्री अहिरवार ने शहर के सभी करदाताओं से अपील कर कहा है कि यह विशेष छूट केवल वित्तीय वर्ष के अंत यानी 31 मार्च तक ही प्रभावी है। इसके उपरांत 1 अप्रैल से किसी भी प्रकार की विशेष छूट का लाभ देय नहीं होगा। बकाया करों की राशि पर नगर निगम द्वारा 8 प्रतिशत अधिभार लगाकर वसूली की जाएगी। इसलिए निगमायुक्त ने करदाताओं से अपील की है कि 31 मार्च के पहले शासन द्वारा प्रदत्त छूट का लाभ उठाएँ और अधिभार से बचें।

शहर के मध्य बनेगा सुंदर गार्डन : डॉ पाण्डेय

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

उत्तर मध्य विधानसभा के अंतर्गत लार्डगंज स्थित नवेरिया गार्डन में बुधवार को विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय के द्वारा करीब 9 लाख की लागत से होने जा रहे रंगमंच एवं गार्डन लाइट निर्माण का भूमिपूजन किया गया, इस दौरान एमआईसी सदस्य रजनी कैलाश साहू एवं बड़ी संख्या में स्थानीयजन उपस्थित थे। डॉ पाण्डेय ने बताया कि आज उत्तर मध्य विधानसभा के मध्य में स्थित लार्डगंज कच्छियाना में करीब 9 लाख की लागत से रंगमंच निर्माण एवं गार्डन लाइट का भूमिपूजन किया जा रहा है। रंगमंच एवं गार्डन लाइट लगने के बाद नवेरिया गार्डन में और भी आगे इसे व्यवस्थित और सुंदर बनाने हेतु कार्य किए जाएंगे।

संदीप पटेल को मंडल उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

भारतीय जनता पार्टी, जबलपुर महानगर के अंतर्गत स्वामी विवेकानंद मंडल की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की गई है। यह घोषणा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर की सहमति एवं मार्गदर्शन में मंडल अध्यक्ष एडवोकेट अमर पटेल द्वारा की गई। नवगठित कार्यकारिणी में संगठन के प्रति समर्पित एवं सक्रिय कार्यकर्ता संदीप पटेल को मंडल उपाध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। श्री पटेल की यह नियुक्ति उनके निरंतर संगठनात्मक योगदान, सक्रियता एवं कार्यकुशलता का प्रतिफल मानी जा रही है।

सुरक्षा से लापरवाही पर कड़ी होगी सख्त कार्रवाई : एमडी सुनील तिवारी

एम पी ट्रांसको की प्रदेश स्तरीय रिव्यू मीटिंग

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) मुख्यालय जबलपुर में आयोजित दो दिवसीय त्रिमासिक प्रदेश स्तरीय 21वीं रिव्यू मीटिंग (समीक्षा बैठक) में प्रबंध संचालक सुनील तिवारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्यों में तेजी के दबाव में सुरक्षा मानकों की अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने कहा कि ट्रांसमिशन कार्यों में जीरो एक्सीडेंट पालिसी के तहत निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित किया जाए। बैठक में ट्रांसको के फील्ड अधीक्षण अभियंताओं सहित विभागध्यक्ष एवं मुख्यालय जबलपुर के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि मेंटेनेंस कार्य के दौरान सुरक्षा में किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सुरक्षा की अनदेखी की स्थिति में संबंधित फील्ड अधिकारी के साथ-साथ कार्य कराने वाले जिम्मेदार अधिकारी एवं सुपरवाइजर के विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी तथा आवश्यक होने पर कंपनी द्वारा प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) भी दर्ज कराई जाएगी। साथ ही उन्होंने फील्ड में कार्यरत कर्मचारियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

सिंहस्थ के कार्यों की समीक्षा : बैठक में सिंहस्थ से संबंधित कार्यों की समीक्षा भी की गई तथा अधिकारियों को इन कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही विभिन्न श्रेणियों में भर्ती कार्मिकों को सौंपे गए कार्यों एवं उनकी प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया।

जेम पोर्टल से करें अधिकतम खरीदी : प्रबंध संचालक ने कहा कि कंपनी मे आवश्यक सामग्रियों की खरीदी के लिए सरकार द्वारा अधिकृत जेम पोर्टल का अधिकाधिक उपयोग करे ताकि खरीदी मे तेजी के साथ पारदर्शिता बनी रहे।प्रबंध संचालक ने निर्देशित किया कि वेंडर्स के बिल निर्धारित समय सीमा में अनिवार्य रूप से पारित किए जाएं, जिससे कार्यों की गति प्रभावित न हो। उन्होंने ई-ऑफिस प्रणाली का शत-प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। उन्होंने सार्वजनिक स्थानों पर "काल वीफोर यू डिग" संस्कृति के साथ कार्य किये जाने को अनिवार्यता पर जोर दिया। समीक्षा के दौरान प्रदेश के ट्रांसमिशन नेटवर्क की विश्वसनीयता, प्रगति कार्यों एवं आगामी कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में विभागाध्यक्षों एवं फील्ड अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए आवश्यक रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। मीटिंग की शुरूआत ...वंदे मातरम्... के छहों छंदों के सामूहिक गायन से हुई तथा समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

धर्म, जाति और धर्मांतरण: सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक निर्णय

-: ललित गर्ग:-

धर्म, जाति और धर्मांतरण का प्रश्न भारत के सामाजिक, संवैधानिक और राष्ट्रीय जीवन से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील और जटिल विषय है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया यह निर्णय कि यदि अनुसूचित जाति का कोई व्यक्ति हिन्दू, सिख या बौद्ध धर्म छोड़कर किसी अन्य धर्म को स्वीकार कर लेता है तो वह अनुसूचित जाति का संवैधानिक दर्जा और उससे जुड़े लाभों का अधिकारी नहीं रहेगा, केवल एक सामान्य कानूनी निर्णय नहीं है, बल्कि यह भारतीय संविधान की मूल भावना, सामाजिक न्याय की अवधारणा और राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता को ध्यान में रखकर दिया गया एक दूरगामी और ऐतिहासिक निर्णय है। इस निर्णय को भारतीय न्याय व्यवस्था की परिपक्वता, संतुलन और दूरदर्शिता का प्रतीक कहा जा सकता है।

भारत में अनुसूचित जाति की व्यवस्था का निर्माण किसी धर्म विशेष को लाभ देने के लिए नहीं किया गया था, बल्कि उन सामाजिक वर्गों को संरक्षण और अवसर देने के लिए किया गया था, जो सदियों से सामाजिक भेदभाव, अस्पृश्यता और सामाजिक बहिष्कार का सामना करते रहे थे। संविधान निमार्ताओं ने यह माना था कि समाज में जो ऐतिहासिक अन्याय और सामाजिक असमानता रही है, उसे दूर किए बिना वास्तविक समानता स्थापित नहीं की जा सकती। इसी कारण आरक्षण और विशेष कानूनी संरक्षण की व्यवस्था की गई। यह व्यवस्था मूलतः सामाजिक भेदभाव पर आधारित थी, आर्थिक आधार पर नहीं। इसलिए अनुसूचित जाति का प्रश्न धर्म से अधिक सामाजिक संरचना से जुड़ा हुआ था।

जब कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन कर ऐसे धर्म को स्वीकार करता है, जहां जाति व्यवस्था को मान्यता नहीं दी जाती, तो फिर यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या उसे उसी आधार पर अनुसूचित जाति के लाभ मिलते रहने चाहिए। इसी प्रश्न को लेकर वर्षों से देश में बहस चलती रही है। कई मामलों में यह देखा गया कि व्यक्ति ने धर्म परिवर्तन कर लिया, वह दूसरे धर्म की धार्मिक और सामाजिक व्यवस्था में सक्रिय भी हो गया, लेकिन वह अनुसूचित जाति के आरक्षण, छात्रवृत्ति, नौकरी में आरक्षण और एससी/एसटी एक्ट जैसे कानूनों का लाभ लेना चाहता था। इससे एक प्रकार की कानूनी और सामाजिक विसंगति उत्पन्न हो रही थी। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी विसंगति को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और यह स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उपयोग उसी सामाजिक संदर्भ में किया जा सकता है, जिसके लिए वे बनाई गई थीं।

धर्मांतरण का प्रश्न भारत में केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं रहा है, बल्कि कई बार यह सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और जनसंख्या संतुलन से भी जुड़ जाता है। देश के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषकर गरीब, वंचित और अनुसूचित जाति तथा जनजाति वर्गों में धर्मांतरण की घटनाएँ समय-समय पर सामने आती रही हैं। कई बार धर्मांतरण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक सहायता के माध्यम से हुआ, तो कई बार लालच, प्रलोभन, दबाव या सामाजिक परिस्थितियों के कारण भी धर्म परिवर्तन के आरोप लगे। इसी कारण कई राज्यों ने धर्मांतरण को नियंत्रित करने के लिए कानून बनाए, ताकि बल, प्रलोभन या धोखे से होने वाले धर्म परिवर्तन को रोका जा सके, लेकिन इन कानूनों का प्रभाव उतना व्यापक नहीं हो पाया जितनी अपेक्षा थी।

जब किसी विशेष सामाजिक वर्ग का बड़े पैमाने पर धर्म परिवर्तन होता है, तो उसका प्रभाव केवल धर्म पर ही नहीं पड़ता, बल्कि जातीय संरचना, सामाजिक संतुलन, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सामाजिक संबंधों पर भी पड़ता है। धीरे-धीरे यह स्थिति सामाजिक और धार्मिक संतुलन को प्रभावित करने लगती है। भारत जैसे बहुधर्मी और बहुजातीय देश में सामाजिक और धार्मिक संतुलन का बने रहना राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए अत्यंत आवश्यक है। यदि समाज लगातार जाति, धर्म और वर्ग के आधार पर बदलता और विभाजित होता रहेगा, तो इसका प्रभाव सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता पर पड़ना स्वाभाविक है। इस दृष्टि से धर्मांतरण का प्रश्न केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन का भी प्रश्न बन जाता है। आरक्षण व्यवस्था का उद्देश्य भी यही था कि जो लोग सामाजिक रूप से वंचित हैं, उन्हें शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सम्मान के क्षेत्र में अवसर मिल सके। लेकिन यदि धर्म परिवर्तन के बाद भी लोग आरक्षण का लाभ लेते रहेंगे, तो इससे आरक्षण व्यवस्था का मूल उद्देश्य प्रभावित होगा और वास्तविक जरूरतमंद लोगों के अधिकारों पर भी प्रभाव पड़ेगा। इससे समाज में असंतोष और असंतुलन भी उत्पन्न हो सकता है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय आरक्षण व्यवस्था को अधिक न्यायसंगत, पारदर्शी और उद्देश्यपूर्ण बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण माना जा सकता है। यह निर्णय यह स्पष्ट करता है कि संविधान की सुविधाएँ अधिकार हैं, लेकिन उनका दुरुपयोग नहीं होना चाहिए। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता में एकता है। यहां अनेक धर्म, जातियां, भाषाएं और संस्कृतियां होते हुए भी देश एक है। लेकिन यदि धर्म, जाति और जनसंख्या संतुलन को लेकर लगातार राजनीतिक और सामाजिक प्रयोग होते रहेंगे, तो इससे राष्ट्रीय एकता प्रभावित हो सकती है। धर्मांतरण यदि पूरी तरह से व्यक्तिगत आस्था और विचार की स्वतंत्रता के आधार पर हो तो वह व्यक्ति का अधिकार है, लेकिन यदि वह लालच, भय, दबाव, सामाजिक अलगाव या राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित हो, तो वह केवल धार्मिक परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन को प्रभावित करने वाली प्रक्रिया बन जाता है। इसलिए इस विषय पर संतुलित, संवेदनशील और राष्ट्रीय दृष्टि से विचार करना आवश्यक है। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण है। यह निर्णय केवल यह नहीं कहता कि धर्म परिवर्तन के बाद अनुसूचित जाति का दर्जा समाप्त हो जाएगा, बल्कि यह निर्णय संविधान की मूल भावना को भी स्पष्ट करता है कि सामाजिक न्याय का आधार सामाजिक वास्तविकता है, न कि केवल कानूनी तकनीक। यह निर्णय यह भी स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उद्देश्य समाज में समानता और न्याय स्थापित करना है, न कि कानूनी व्यवस्था का दुरुपयोग होने देना।

आज भारत एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां कानून, संविधान और न्याय व्यवस्था केवल तकनीकी व्याख्याओं तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि सामाजिक वास्तविकता, राष्ट्रीय हित और सामाजिक संतुलन को ध्यान में रखकर निर्णय दिए जा रहे हैं। इस दृष्टि से यह निर्णय नए भारत की कानूनी सोच और संवैधानिक दृष्टि का प्रतीक भी कहा जा सकता है। यह निर्णय यह संदेश देता है कि सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकता दोनों साथ-साथ चल सकते हैं और संविधान दोनों की रक्षा करने में सक्षम है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि धर्म, जाति, आरक्षण और धर्मांतरण का प्रश्न भारत में लंबे समय से विवाद और बहस का विषय रहा है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इस जटिल विषय को स्पष्ट करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है। इससे न केवल आरक्षण व्यवस्था अधिक स्पष्ट और न्यायसंगत बनेगी, बल्कि धर्मांतरण और कानूनी लाभ के बीच जो विसंगतियाँ थीं, वे भी काफी हद तक समाप्त होंगी। यह निर्णय सामाजिक संतुलन, कानूनी स्पष्टता और राष्ट्रीय एकता-तीनों को मजबूत करने वाला निर्णय है। इसलिए यह कहना उचित होगा कि यह निर्णय केवल एक न्यायालय का फैसला नहीं, बल्कि नए भारत, सशक्त भारत और संगठित भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण आधार स्तंभ के रूप में देखा जाना चाहिए।

संपादकीय

पर्यावरण की उपेक्षा के आरोप गंभीर

असम में 9 अप्रैल को चुनाव होने वाले हैं।हिमंत बिश्व शर्मा की पार्टी भाजपा लगातार तीसरी बार जीतने की कोशिश कर रही है।कांग्रेस 10 साल बाद फिर से सत्ता में आने के लिए मेहनत कर रही है।2021 में भाजपा और उसके सहयोगियों (एजीपी, यूपीपीएल) ने 126 में से 75 सीटें जीती थीं।असम की राजनीति में बांग्लाभाषी लोगों का प्रवासन एक बड़ा मुद्दा रहा है। भाजपा ने इस मुद्दे को हिंदू-मुस्लिम राजनीति से जोड़ दिया है। नागरिकता संशोधन अधिनियम 2019 भी एक बड़ा मुद्दा है, लेकिन इसका पूरी तरह लागू होना अभी तक नहीं हुआ है।2023 में सीटों का परिसीमन हुआ, जिससे चुनाव क्षेत्रों की सीमाएं बदलीं।इससे मुस्लिम वोटरों का प्रभाव कुछ कम हुआ और स्थानीय लोगों की भागीदारी बढ़ी है। भाजपा इस बदलाव को अपनी रणनीति का हिस्सा मानती है। इस पूरे पैराग्राफ को आसान हिंदी में ऐसे समझ सकते हैं:भाजपा लगातार कांग्रेस के नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल कर रही है। असम के कुछ इलाकों में एआईयूडीएफ नाम की पार्टी, जो बांग्ला बोलने वाले मुस्लिमों का प्रतिनिधित्व करती है, पहले कांग्रेस को कमजोर कर चुकी है। अब वह अकेले चुनाव लड़ रही है और अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही है। कांग्रेस ने अखिल गोगोई की पार्टी (राइजोर दल) और एजेपी के साथ मिलकर गठबंधन किया है। एजेपी एक नई पार्टी है जो सीएए के खिलाफ हुए आंदोलन से बनी है और युवाओं में लोकप्रिय है। ये सभी मिलकर लोकतंत्र, जमीन के अधिकार और सबके विकास की बात कर रहे हैं। एजीपी, जो पहले असमिया क्षेत्रीय पार्टी थी, अब एनडीए के साथ है और 26 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, लेकिन उसका अपना प्रभाव कम हो गया है।बोड़ोलैंड क्षेत्र में, भाजपा ने इस बार अपने पुराने साथी बीपीएफ को साथ लिया है, जबकि पहले वह यूपीपीएल के साथ थी। साल 2021 में, भाजपा गठबंधन करके और प्रवासन संबंधी बहस का रूप बदल करके अधिकांश क्षेत्रीय भावना को अपने अधीन करने में सफल रही थी। बुनियादी ढांचे की बड़ी परियोजनाओं को मील के पत्थरों के रूप में पेश किया जाता है, लेकिन याराना पूंजीवाद (क्रोनी कैपिटलिज्म) और पर्यावरण की उपेक्षा के आरोप गंभीर हैं। ऐसे महत्वपूर्ण सवाल दरकिनार हो जाते हैं क्योंकि उम्मीद की जगह डर हावी हो जाता है।

पश्चिम बंगाल बीजेपी में टिकटों पर बगावत? असंतोष क्यों!

किसी भी चुनाव में हर राजनीतिक पार्टी में टिकट नहीं मिलने पर कुछ लोग नाराज़ ज़रूर होते हैं। लेकिन कुछ दलों में यह नाराजगी जल्दी ही दब या दबा दी जाती है और कुछ में यह सड़कों पर उतर जाती है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के टिकटों के बंटवारे के मुद्दे पर इस समय नाराजगी के सड़कों पर उतरने वाली यही तस्वीर भाजपा में नजर आ रही है। वैसे, वर्ष 2021 के चुनाव से पहले भी भारी पैमाने पर बगावत और विरोध हुआ था। तब आरोप लगे थे कि बड़े नेताओं ने टिकटों के बंटवारे में दलबदलुओं को तरजीह दी है। इस बार भी हालात अलग नहीं हैं। प्रदेश अध्यक्ष के करीबी समझे जाने वाले उपाध्यक्ष अमिताभ राय को भी टिकट नहीं मिला है। उन्होंने इस पर भारी नाराजगी जताई है। वो पार्टी के पुराने नेता रहे हैं। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष की पत्नी रिंकू मजूमदार भी टिकट नहीं मिलने पर सार्वजनिक तौर पर नाराजगी जता चुकी हैं। पार्टी के केंद्रीय नेता सुनील बंसल पर भी वादाखिलाफी के आरोप लग रहे हैं। उम्मीदवारों की सूची की घोषणा के बाद से ही नाराज कार्यकर्ताओं के राज्य में जगह-जगह विरोध प्रदर्शन और पार्टी के दफ्तरों में तोड़-फोड़ की खबरें सामने आ रही हैं।

दिलीप घोष की पत्नी नाराज़ : दिलीप घोष को पार्टी ने इस बार उनकी पारंपरिक सीट खड़गपुर सदर से मैदान में उतारा है। उनकी पत्नी रिंकू मजूमदार इस बार कोलकाता से सटी राजारहाट-न्यू टाउन सीट पर चुनाव लड़ना चाहती थी और इसके लिए उन्होंने बाकायदा केंद्रीय नेतृत्व को बायोडाटा समेत आवेदन भी भेजा था। लेकिन उनका नाम न तो पहली सूची में था और न ही दूसरी सूची में। उस सीट पर पार्टी ने पीयूष कानोड़िया को टिकट दिया है। इसके बाद रिंकू ने सार्वजनिक तौर पर नाराजगी जताई है। पार्टी नेतृत्व ने रिंकू सिंह को टिकट नहीं देने पर दलील दी है कि एक परिवार से एक ही व्यक्ति को टिकट मिलना था। इस पर रिंकू ने सवाल किया है कि अगर ऐसा है तो शुभेंदु अधिकारी और अर्जुन सिंह के मामले में इस नियम का पालन क्यों नही किया गया? दरअसल, विपक्ष के नेता शुभेंदु के भाई और बैरकपुर के सांसद रहे अर्जुन सिंह के पुत्र को भी टिकट मिला है। रिंकू का कहना है कि उनको टिकट नहीं देकर केंद्रीय नेतृत्व ने अच्छा नहीं किया। वो दिलीप घोष के पहले से पार्टी से जुड़ी हैं।

कई जगह प्रदर्शन : भाजपा की पहली सूची के प्रकाशन के साथ ही राज्य में कई जगह बगावत और विरोध प्रदर्शन की ख़बरें आने लगी थीं। दूसरी सूची के प्रकाशन के बाद यह सिलसिला और तेज हुआ है। शनिवार को खड़गपुर की नारायणगढ़ सीट पर बीजेपी उम्मीदवार बदलने की मांग में जमकर हंगामा हुआ। वहां प्रदर्शनकारियों ने पार्टी के जिला कार्यालय में जमकर तोड़फोड़ की।

बीजेपी ने वादा तोड़ा?: बीजेपी नेताओं का कहना है कि उन्होंने चुनाव के छह महीने पहले से ही एक सात सदस्यीय समिति की मदद से बूथ सशक्तिकरण अभियान के ज़रिए संगठन को मज़बूत करने का काम कराया था। तब उन्होंने समिति के कम से कम तीन सदस्यों को टिकट देने का वादा किया था। लेकिन दोनों सूची में इनमें से किसी का भी नाम नहीं है। जिन सीटों के लिए उनके नाम पर विचार हो रहा था, वहां दूसरे उम्मीदवार उतार दिए गए हैं। शनिवार को कई अन्य जिलों से भी ऐसे ही प्रदर्शन और तोड़फोड़ की ख़बरें सामने आईं। हावड़ा के बाली में तो टिकटों के मुद्दे पर पार्टी में टूट शुरू हो चुकी है। किसी 'भूमिपुत्र' यानी स्थानीय व्यक्ति को उम्मीदवार बनाने की मांग में पार्टी के सौ से ज्यादा कार्यकर्ता और समर्थक तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं। इसी तरह नदिया जिले के कृष्णनगर में सैकड़ों कार्यकर्ता कांसे और पीतल की घंटी बजाते हुए जिला कार्यालय के बाहर पहुंच कर नारेबाजी और प्रदर्शन करने लगे। उन्होंने रानाघाट की दोनों सीटों पर उम्मीदवार बदलने की मांग उठाई है। कुछ देर प्रदर्शन के बाद कार्यकर्ताओं ने दफ्तर में तोड़फोड़ भी की। रानाघाट को भाजपा का गढ़ माना जाता है। लेकिन अपने मजबूत गढ़ में पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों की बगावत के कारण जिला नेतृत्व की परेशानी बढ़ गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि हर बार चुनाव से पहले ऐसा माहौल बन जाता है कि जिससे कार्यकर्ताओं को लगता है कि इस बार उसका सत्ता में आना तय है। इसीलिए टिकटों की मारामारी मच जाती है। लेकिन चुनाव के समय पूरे पांच साल तक जमीनी स्तर पर काम करने वाले स्थानीय कार्यकर्ताओं की जगह शीर्ष नेतृत्व किसी दूसरे व्यक्ति या बाहरी नेताओं को टिकट थमा देता है। इससे असंतोष स्वाभाविक है। हालाँकि पार्टी के प्रदेश नेताओं ने अब इस असंतोष को दूर करने की कवायद शुरू की है। लेकिन यह लगातार बढ़ता ही जा रहा है।

सोशल मीडिया से जुड़ी अराजकता बड़ी चुनौती

डिजिटल क्रांति के दौर में सोशल मीडिया अभिव्यक्ति का बड़ा माध्यम बनता जा रहा है। लेकिन जब इसके दुरुपयोग के खतरे सामने आते हैं तो चिंता होना स्वाभाविक है। ताजा चिंता सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान यह कहते व्यक्त की है कि आज मोबाइल रखने वाला हर व्यक्ति स्वयं को 'मीडिया' समझने लगा है। चिंता यह भी कि इस दुष्प्रवृत्ति के साथ आई अराजकता अब न्याय व्यवस्था के लिए चुनौती बनती जा रही है। दरअसल, शीर्ष अदालत उस जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि पुलिस गिरफ्तार किए गए लोगों की फोटो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर डाल देती है। इससे लोगों के मन में पहले से ही आरोपी के खिलाफ धारणा बन जाती है। बाद में अगर सबूतों के अभाव में कोर्ट उसे बरी कर दे तो लोग सवाल उठाने लगते हैं। पुलिस की यह भूमिका तो चिंताजनक है ही, अदालत ने यह भी कहा कि केवल पुलिस के सोशल मीडिया अकाउंट की बात करने से काम नहीं चलेगा। पुलिस को तो एसओपी से नियंत्रित कर सकते हैं, लेकिन आम आदमी को कैसे नियंत्रित किया जाएगा, यह बड़ा सवाल है। हादसे के समय लोगों की पहली प्रतिक्रिया पीड़ित की मदद करना नहीं, बल्कि वीडियो बनाना हो गई है। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान इस प्रवृत्ति पर गहरी चिंता जताई गई कि क्या आरोप सिद्ध होने से पहले ही किसी व्यक्ति को सार्वजनिक रूप से दोषी ठहराना न्याय के मूल सिद्धांतों के विपरीत नहीं है? अन्य लोकतांत्रिक देशों की तुलना में भारत में इस विषय पर स्पष्ट और कठोर नियमों का अभाव दिखाई देता है। कई देशों में आरोपी की फोटो तभी जारी की जाती है जब वह फरार हो, सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा हो या उसकी पहचान से जांच में ठोस मदद मिल सकती हो। यूरोप के कुछ देशों में तो दोष सिद्ध होने से पहले पहचान उजागर करना कानूनी जोखिम पैदा कर सकता है और अक्सर चेहरे को धुंधला करके ही आरोपी की फोटो प्रकाशित की जाती है। इसके विपरीत भारत में यह निर्णय अक्सर परिस्थितियों और विवेक पर छोड़ दिया जाता है, जिससे असमानता और अतिरेक दोनों की संभावना बनी रहती है। दरअसल समस्या तकनीक की नहीं, बल्कि उसके दुरुपयोग की है। सोशल मीडिया में जिम्मेदारी का भाव विकसित नहीं हुआ। बिना सत्यापन के सामग्री साझा करना, अधूरी जानकारी के आधार पर राय बनाना- ये सब लोकतांत्रिक समाज के लिए खतरनाक संकेत हैं। इस संदर्भ में केवल कानूनी उपाय पर्याप्त नहीं होंगे। डिजिटल साक्षरता, मीडिया नैतिकता और नागरिक जिम्मेदारी पर व्यापक जनजागरण आवश्यक है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, सरकार और नागरिक समाज- सभी को मिलकर ऐसी संस्कृति विकसित करनी होगी, जिसमें सूचना की स्वतंत्रता और न्याय की निष्पक्षता दोनों सुरक्षित रह सके। आरोपी की गरिमा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितने कि पीड़ित के

घायल तेंदुए को मिला नया जीवनः रेस्क्यू एवं उपचार के बाद जंगल में हुई वापसी

बालाघाट। जिले के वन क्षेत्र में मानवता और वन्यजीव संरक्षण की एक प्रेरणादायक मिसाल देखने को मिली, जहां एक घायल तेंदुए को न केवल बचाया गया, बल्कि उपचार के बाद सुरक्षित रूप से उसके प्राकृतिक आवास में वापस छोड़ दिया गया। घटना 13 मार्च 2026 की है, जब वन परिक्षेत्र बालाघाट सामान्य की बीट आगरवाड़ा अंतर्गत ग्राम बीजाटोला के पास नहर किनारे एक तेंदुए के घायल होने की सूचना वन विभाग को प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही अधिकारियों ने तत्परता दिखाते हुए बचाव कार्य शुरू किया। वनसंरक्षक गौरव चौधरी एवं वनमंडल अधिकारी नित्यानंदम एल. के निर्देशन में, मुख्य वन्यप्राणी अभिरक्षक से अनुमति प्राप्त कर विशेषज्ञ टीम को मौके पर भेजा गया। रेस्क्यू अभियान में नानाजी देशमुख वन्यप्राणी पशुचिकित्सा विश्वविद्यालय की पशुचिकित्सक टीम का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। टीम ने घायल तेंदुए का सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर उसे उपचार हेतु मुक्की रेस्क्यू सेंटर भेज दिया था। कुछ दिनों तक चले उपचार के बाद तेंदुए की स्थिति में सुधार हुआ और विशेषज्ञ पशुचिकित्सकों द्वारा उसे पूर्णतः स्वस्थ घोषित करते हुए फिटनेस सर्टिफिकेट जारी किया गया। इसके बाद 24 मार्च को वन विभाग, पशुचिकित्सकों एवं कान्हा टाइगर रिजर्व के स्टाफ की मौजूदगी में तेंदुए को मानव व्यवधान से दूर एक सुरक्षित आरक्षित वन क्षेत्र में सफलतापूर्वक छोड़ दिया गया। यह पूरी कार्रवाई वन विभाग की सजगता, विशेषज्ञों के समन्वय और वन्यजीव संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण है। इस प्रयास से न केवल एक वन्यजीव का जीवन बचाया गया, बल्कि जैव विविधता संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाया गया।

चलता-फिरता मुफ्त अस्पताल : 88 लोगों को मिला स्वास्थ्य लाभ - कमलेश्वर अग्रवाल

उन्नत जांचों व निःशुल्क दवाइयों के साथ सेवा न्यास का सराहनीय प्रयास : विमल नामदेव

सतना। पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र के मार्गदर्शन में संचालित ह्लआपका अस्पताल आपके द्वारह्व अभियान के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 36, कामता टोला में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर पार्षद श्री रमेश शुक्ला के निवास के सामने आयोजित हुआ, जिसमें क्षेत्र के नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। न्यास कार्यकर्ता कमलेश्वर अग्रवाल के सहयोग से आयोजित इस शिविर में कुल 88 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई तथा जरूरतमंदों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। शिविर की विशेषता यह रही कि इसमें 23 प्रकार की आधुनिक व प्राथमिक चिकित्सीय जांचें की गईं, जिनमें शामिल हैंः इस व्यापक स्वास्थ्य परीक्षण से लोगों को अपने शरीर की संपूर्ण स्थिति की जानकारी प्राप्त हुई, जिससे समय रहते बीमारियों की पहचान और उपचार संभव हो सका। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ह्लचलता-फिरता मुफ्त अस्पतालह्व वास्तव में समाज के लिए अत्यंत उपयोगी और जनकल्याणकारी अभियान है। कार्यक्रम को सफल बनाने में सेवा न्यास के सभी कार्यकताओं का विशेष योगदान रहा।

इनकी रही उपस्थिति

कमलेश्वर अग्रवाल, विमल नामदेव, अनिल सैनी, नरेंद्र जायसवाल, श्रीमती रश्मि सैनी, विजय सिंह पटेल सहित अनेकों कार्यकर्ता उपस्थित रहे व नर सेवा नारायण सेवा के रूप में सेवा कार्य में लगे रहे।

गुरुवार को महाअष्टमी के अवसर पर माँ विराटेश्वरी के दरबार में महाआरती का होगा भव्य आयोजन

श्री विराटेश्वरी धाम में महाअष्टमी आरती,नवमीं को विशेष श्रृंगार ,विशाल भंडारा, जवारा विसर्जन का होगा आयोजन

शहड़ोल। नगर के हृदय स्थल स्थित श्री विराटेश्वरी धाम दुर्गा माता मंदिर में चैत्र नवरात्रि के अवसर पर महाष्टमी महाआरती का भव्य आयोजन होने जा रहा है श्री दुर्गा माता सेवा समिति के सेवादार विनय केवट ने जानकारी देते हुए बुधवार को बताया है कि हिंदू नव वर्ष शुक्ल प्रतिपदा चैत्र नवरात्रि के नौदिनी महापर्व के पावन अवसर पर चैत्र नवरात्रि महाष्टमी के दिन माँ भगवती की महाआरती का आयोजन किया जा रहा है इस संदर्भ में जानकारी देते हुए मंदिर के पुजारी श्री जयंतराज तिवारी ने बताया है कि चैत्र नवरात्रि के अवसर पर प्रथम दिन से ही जगत जननी मां भगवती की भव्य पूजा अर्चना मंदिर के पुजारी व भक्तों द्वारा जल चढ़ाकर एवं प्रसाद का भोग लगाकर पूर्ण भाव भक्ति के साथ माता की आराधना की जा रही है उन्होंने बताया कि नौदिनी महापर्व के अवसर पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर माँ विराटेश्वरी जी की महाअष्टमी की महाआरती का भव्य आयोजन दिनांक 26/3/ 2026 दिन गुरुवार किया जाएगा एवं 27 मार्च दिन शुक्रवार को महानवमी के अवसर पर विशेष

श्रृंगार मां भगवती का किया जाएगा व 28 मार्च दिन शनिवार को मां विराटेश्वरी के दरबार में विशाल भंडारे का आयोजन होगा तो वहीं 29 मार्च दिन रविवार को मां विराटेश्वरी के दरबार में ढोल नगाड़े की थाप पर काली खप्पर नृत्य के साथ भव्य जवारा जुलूस आयोजन किया जाएगा मां भगवती के जवारे नगर का भ्रमण करते हुए स्थानीय मोहन राम तालाब में विसर्जित किए जाएंगे इस अवसर पर आप सभी माता रानी के भक्तगणों से अनुरोध है कि अधिक से अधिक संख्या में मां भगवती के दरबार में पहुंचकर महाअष्टमी आरती, नवमी विशेष श्रृंगार ,विशाल भंडारा, जवारा जुलूस में शामिल होकर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त करें एवं अपने जीवन को धन्य बनाएं। वही बताया गया कि इस अवसर पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी श्री दुर्गा माता सेवा समिति के द्वारा समिति की ओर से मंदिर आने वाले भक्तों के लिए सभी व्यवस्था निशुल्क है , जूता चप्पल एस्टेंड ,मोटर साइकिल स्टैंड ,नारियल तोड़ने ,पानी ,लाइट , प्रसाद वितरण ,भक्तो के कथा पूजन के बाद साफ सफाई ,अष्टमी को महा आरती के बाद महाप्रसाद वितरण किया किया जाएगा श्री दुर्गा माता सेवा समिति के सेवादार मंदिर के पुजारी जयंतराज तिवारी,अंकितराज तिवारी, गीतेशराज तिवारी, मनीषराज तिवारी ,विकास तिवारी, एवं श्री दुर्गा माता सेवा समिति के संरक्षक श्री नारायण पांडे,श्री अशोक मिश्रा ,अध्यक्ष श्री पुरुषोत्तम दास गुप्ता ,अनिल सैनी भालू ,देवेंदर द्विवेदी, विनय केवट , राजेश त्रिपाठी ,अजय श्रीवास्तव ,मृगेंद्र सिंह, देवेंद्र गुप्ता, राकेश यादव, राम चेलानी, राहुल श्रीवास, आलोक खटोर ,सोमू गुप्ता, निरंजन, अनिल सिंह, गौरव राजपूत, शुभम अग्निहोत्री, शिवम दुबे ,शुभम दुबे, विद्याचरण उपाध्याय, रामकिशोर केवट, रवि केवट ,जतिन मंगलानी, गौतम राज, लवली, रंजन गुप्ता, विनोढ नामदेव, पंकज मौर्या, आकाश नामदेव, आकाश चौधरी,अज्जू विश्वकर्मा, गगन वर्मा ,वेदांश गौतम,अभिषेक सोंधिया के सेवादार हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अपनी सेवाएं निरंतर माता के दरबार में दे रहे हैं।

खनिजो के अवैध परिवहन की पर की गई कार्यवाही

शहड़ोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन में जिले में खनिजो के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण की रोकथाम हेतु खनिज विभाग द्वारा निरंतर कार्यवाही की जा रही है। जिला खनिज अधिकारी राहुल सांडिल्य ने जानकारी दी है कि ब्यौहारी तहसील के क्षेत्रों में जांच की गई। तहसील ब्यौहारी अंतर्गत मिट्टी, मुरूम के अवैध उत्खनन परिवहन की शिकायतें प्राप्त हो रहीं थीं। उक्त शिकायतों को संज्ञान में लेकर खनिज विभाग के द्वारा ब्यौहारी क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान ग्राम देवगांव तहसील ब्यौहारी में 3 वाहनों (ट्रैक्टर मय ट्राली) को जांच हेतु रोका गया। वाहन चालक के द्वारा खनिज मिट्टी मुरूम के परिवहन से संबंधित वैधानिक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर वाहन चालको के कब्जे से वाहन सहित मिट्टी/मुरूम जब्त कर वाहन को शासकीय अभिरक्षा थाना ब्यौहारी में भिजवाया गया एवं खनिज नियमो के विरूद्ध कार्यवाही की गई।

हाईकोर्ट से बुलंद आवाज को राहत, ग्रेज्युटी व बढ़े मानदेय का एरियर ब्याज सहित देने के आदेश

छपारा। मध्यप्रदेश के सिवनी जिले में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं की लंबे समय से लंबित मांगों पर आखिरकार हाईकोर्ट ने राहत प्रदान की है। बुलंद आवाज नारी शक्ति आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका संगठन द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने ग्रेज्युटी और बढ़े हुए मानदेय का एरियर 6 प्रतिशत ब्याज सहित भुगतान करने के आदेश जारी किए हैं।जानकारी के अनुसार वर्ष 2019 में राज्य सरकार द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकताओं के मानदेय में वृद्धि की गई थी, जिसमें कार्यकताओं को 1500 रुपये, मिनी कार्यकताओं को 1250 रुपये तथा सहायिकाओं को 750 रुपये अतिरिक्त देने का प्रावधान किया गया था। इसके बावजूद लंबे समय तक इन बढ़ी हुई राशि का भुगतान नहीं किया गया, जिससे नाराज कार्यकताओं को न्यायालय की शरण लेनी पड़ी।न्यायालय ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि सभी पात्र एवं सेवानिवृत्त कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं भी इस निर्णय का लाभ प्राप्त करेंगी। साथ ही लंबित एरियर का भुगतान शीघ्र सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।इधर, मांगों के समर्थन में कार्यकताओं ने सिवनी जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में लंबित भुगतान शीघ्र करने सहित अन्य समस्याओं के निराकरण की मांग की गई। संगठन पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।ये रहे उपस्थितः कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारी एवं जिला इकाई के सदस्य मौजूद रहे जिनमें प्रमुख रूप से प्रांत अध्यक्ष रामेश्वरी मेश्राम,जिला अध्यक्ष इंद्र कुमारी मिश्रा,जिला सचिव अनीता मर्सकोले, उपाध्यक्ष मोनिका ताराम, मिडिया प्रभारी सोनम डहरिया, सह सचिव उर्मिला कुर्मी ,प्रचार मंत्री अनीता देशमुख, कोषाध्यक्ष इंद्र कला गजभिए, संगठन मंत्री लक्ष्मी ठाकुर, संयोजक सरोज शर्मा ,सदस्य सुनीता गोस्वामी,ज्योति गजभिए,पार्वती डहरिया,उमा वंशकार,तरुणा मरकवाडें ,कमला तेकाम, सविता अहिरवार,पुष्पा गोनगें,माया कुर्राम,रंजीत ठाकुर, अनीता सोनी ,ललिता वर्मा उपस्थित रहे।

गर्मी के मौसम में सावधानी बरतें, स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी

शहड़ोल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने गर्मी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए आमजन के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने की अपील की है। उन्होंने बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित कर दी गई है तथा हीट वेव (लू) से बचाव के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने आमजन से अपील की है कि तेज धूप में अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचें, हल्के एवं ढीले कपड़े पहनें तथा सिर को कपड़े या टोपी से ढककर रखें। गर्मी के मौसम में अधिक से अधिक पानी पिएं, ठंडे पेय पदार्थ जैसे नींबू पानी, छाछ, लस्सी आदि का सेवन करें तथा शरीर में पानी की कमी न होने दें। बाहर से आने के बाद तुरंत ठंडा पानी पीने से बचें और शरीर को सामान्य तापमान पर आने दें। उन्होंने कहा कि बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं एवं गंभीर बीमारियों से ग्रसित व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखें। तेज बुखार, चक्कर आना, उल्टी या कमजोरी महसूस होने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में संपर्क करें। सभी शासकीय, अशासकीय, शैक्षणिक एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को गर्मी से बचाव के उपाय बताए जा रहे हैं। साथ ही सभी स्वास्थ्य संस्थानों में ओआरएस, पर्याप्त पेयजल एवं आवश्यक दवाइयों की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। उन्होंने आमजन से अपील की है कि गर्मी के मौसम में सावधानी बरतें और स्वास्थ्य संबंधी लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लें।

मां खैरापति मंदिर में 45 वर्षों से अखंडित परंपरा, 65 कलश स्थापना के साथ भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम

सिवनी। नगर के मंगलीपेठ स्थित कस्तूरबा वार्ड में विराजमान मां खैरापति मंदिर इन दिनों गहन आस्था, श्रद्धा और धार्मिक उत्साह का केंद्र बना हुआ है। बीते लगभग 45 वर्षों से निरंतर चली आ रही इस गौरवशाली परंपरा के तहत इस वर्ष भी पूरे विधि-विधान, मंत्रोच्चार और भक्तिभाव के साथ 21 मार्च को 65 कलश एवं एक विशेष थप्पर कलश की स्थापना की गई। कलश स्थापना के साथ ही मंदिर परिसर और आसपास का पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया है।कलश स्थापना के बाद से प्रतिदिन सुबह-शाम पूजा-अर्चना, आरती, भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों का सिलसिला निरंतर जारी है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचकर मां खैरापति के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। पूरे वार्ड में आध्यात्मिक ऊर्जा और सकारात्मक वातावरण का अनुभव किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र में धार्मिक एकता और सामाजिक समरसता भी मजबूत हो रही है।आयोजन के अंतर्गत 28 मार्च को विशेष हवन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी श्रद्धालु, भक्तगण एवं मोहल्लेवासी बड़ी संख्या में शामिल होकर यज्ञ में आहुति देंगे। यह हवन कार्यक्रम आयोजन का महत्वपूर्ण आध्यात्मिक केंद्र रहेगा, जिसमें क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और कल्याण की कामना की जाएगी।कार्यक्रम का भव्य समापन 29 मार्च को कलश विसर्जन के साथ होगा। इस अवसर पर आकर्षक एवं भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें सजीव धार्मिक माहौल, रंग-बिरंगी लाइटिंग और आधुनिक डिस्को लाइट की सजावट के बीच श्रद्धालु पूरे उत्साह और उल्लास के साथ शामिल होंगे। ढोल-नगाड़ों, भक्ति गीतों और जयकारों से वातावरण गूंज उठेगा, जिससे पूरे नगर में उत्सव जैसा दृश्य देखने को मिलेगा।कलश विसर्जन के पश्चात प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस भंडारे में नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। सभी के लिए प्रसाद की व्यवस्था श्रद्धा और सेवा भाव के साथ की जाती है, जिससे सामाजिक एकता और भाईचारे का संदेश भी प्रसारित होता है।इस संपूर्ण धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में कस्तूरबा वार्ड की महिलाओं, पुरुषों, युवाओं एवं मंदिर समिति के सदस्यों की भूमिका अत्यंत सराहनीय रहती है। सभी लोग तन, मन और धन से सहयोग करते हुए इस परंपरा को जीवंत बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इसके साथ ही नगर के गणमान्य नागरिकों और आसपास के क्षेत्रवासियों का सहयोग भी आयोजन को भव्यता और गरिमा प्रदान करता है।लगातार 45 वर्षों से अनुशासन, आस्था और सामूहिक सहभागिता के साथ आयोजित हो रहा यह धार्मिक कार्यक्रम न केवल सिवनी की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान को सुदृढ़ कर रहा है, बल्कि नई पीढ़ी को भी परंपराओं से जोड़ते हुए एक नई प्रेरणा और कीर्तिमान स्थापित कर रहा है

श्रीरामनवमीं के पावन अवसर पर प्राकट्य पर्व 27 मार्च को, लोक एवं भक्ति गायन के साथ नृत्य प्रस्तुतियों में दिखेगी श्रीराम की महिमा

शहड़ोल। भगवान श्रीराम के सम्बन्ध में पौराणिक मान्यताओं के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर भी अनेक आख्यान, जनश्रुति प्रचलित हैं जो आम जनमानस में विश्वास के रूप में मान्य है। मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा श्रीराम जन्मोत्सव की गरिमा अनुरूप, धार्मिक एवं पौराणिक मान्यताओं को दृष्टिगत रखते हुए प्राकट्य पर्व का आयोजन किया जा रहा है। जिला प्रशासन झ शहडोल के सहयोग से 27 मार्च, 2026 को सायं 7 बजे से श्रीराम जानकी (पंचायती) मंदिर, शहडोल में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में सांस्कृतिक स्वरूपों में श्रीराम की महिमा देखने को मिलेगी। संचालक, संस्कृति श्री एन.पी. नामदेव ने बताया कि श्रीरामनवमीं के पावन अवसर पर नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से अवगत कराने के उद्देश्य से विभाग द्वारा प्राकट्य पर्व का आयोजन किया जा रहा है। शहडोल में होने वाले कार्यक्रम में सर्वप्रथम बघेली लोक गायन की प्रस्तुति सुश्री रीता तिवारी, रीवा द्वारा दी जाएगी। इसके बाद हनुमान लीला का मंचन अखण्ड सुदर्पण जन कल्याण समिति, खण्डवा के कलाकारों द्वारा होगा।

कमिश्नर ने तहसील कार्यालय सोहागपुर का किया निरीक्षण, लंबित प्रकरणो के निराकरण के दिए निर्देश

शहड़ोल। कमिश्नर शहडोल संभाग सुरभि गुप्ता ने आज तहसील कार्यालय सोहागपुर का निरीक्षण किया। कमिश्नर ने निरीक्षण के दौरान एसडीएम को निर्देश दिए कि तहसील न्यायालय में लंबित राजस्व प्रकरणो का निराकरण प्राथमिकता के साथ करें एवं न्यायालय में राजस्व प्रकरण लंबित न रहे सुनिश्चित किया जाए। कमिश्नर ने सायबर तहसील के लंबित प्रकरणो के निराकरण की स्थिति में जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि सायबर तहसील के जो भी प्रकरण लंबित है उनका निराकरण जल्द से जल्द कराएं। कमिश्नर ने फौती नामातंरण, आरसीएमएस, बंटवारा, राजस्व दायरा पंजी, सहित अन्य लंबित प्रकरणो के निराकरण की स्थिति की भी जानकारी प्राप्त कर निराकरण करते हुए पोर्टल में दर्ज करने के निर्देश अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को दिए। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अमृता गर्ग, तहसीलदार भावना डेहरिया, संभागीय सलाहकार श्री उपेंद्र त्रिपाठी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

जल संकट को दूर भगाओ, व्यर्थ में पानी न बहाओ

दीवार लेखन कर दिया गया जल संरक्षण का संदेश

शहड़ोल। जल गंगा संवर्धन अभियान शहडोल जिले में प्रगति पर है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संचयन, सरंक्षण एवं जल का महत्व बताने हेतु गतिविधियां आयोजित की जा रही है। जल गंगा संवर्धन अभियान जिलेवासी उत्साह, उमंग और नई ऊर्जा के साथ सहभागी बनकर जल के प्रति जन जन को जागरूक करने में अपना योगदान दे रहें। जन अभियान परिषद के सदस्यो द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल का महत्व बताने के लिए ग्राम चन्नौडी, बरहा, सिरौजा एवं बंडीखुर्द में दीवार लेखन कर जल के प्रति जागरूक किया गया। दीवार लेखन में पानी की हर बूंद अनमोल है, पानी बचाओ, जीवन बचाओ, पानी बचाओ धरती बचाओ पानी की बर्बदी, जीवन की बर्बदी, जल संकट को दूर भगाओ, व्यर्थ में पानी न बहाओ जैसे अन्य स्लोगन प्रदर्षित किये गए।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष बने सिद्धांत पाटिल, प्रदेश और जिला नेतृत्व का जताया आभार,

बालाघाट। भाजपा संगठन में मोर्चा जिलाध्यक्षो की नियुक्ति की जा रही है, इसी के तहत भाजपा जिला अनुसूचित जाति मोर्चा में जिलाध्यक्ष पद पर सिद्धांत पाटिल की घोषणा की गई है। उन्हें, इस बार, भाजपा संगठन ने, पार्टी के प्रति समर्पित भाव से काम करने के लिए अनुसूचित जाति मोर्चा की बड़ी जिम्मेदारी दी है। छात्र राजनीति में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से संगठन में सक्रिय और निरंतर काम करते हुए युवा सिद्धांत पाटिल भाजपा में 2010 में आए और निरंतर पार्टी की विचारधारा पर काम करना आरंभ किया। जिसका परिणाम यह रहा कि पार्टी ने भी उन्हें संगठन में काम करने का अवसर दिया। पहले वे युवा मोर्चा में नगर उपाध्यक्ष बनाये गए। जिसके बाद तत्कालीन संगठन में वह भाजपा नगर मंत्री रहे। जिसके बाद अनुसूचित जाति मोर्चा में जिला महामंत्री एवं सांसद प्रतिनिधि रहे और अब उन्हें जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अनुसूचित जाति मोर्चा जिलाध्यक्ष बने युवा सिद्धांत पाटिल ने कहा कि यह एक बड़ी जिम्मेदारी है, अनुसूचित जाति वर्ग को भाजपा ने ही सम्मान देने का काम किया है। जिसके लिए वह प्रदेश नेतृत्व और जिला संगठन का आभार व्यक्त करते है। निश्चित ही जो जिम्मेदारी संगठन में जिला अध्यक्ष के रूप में मिली है, उसका वह पूरी कर्मठता और निष्पक्षता से पालन कर, संगठन की विचारधारा को समाज के अंतिम छोर में बैठे व्यक्ति तक ले जाकर उन्हें पार्टी से जोड़ने का काम करेंगे।

डिंडोरी जिले ने 5वीं एवं 8वीं वार्षिक परीक्षा 2025-26 में किया गौरवपूर्ण प्रदर्शन

डिंडोरी। वर्ष 2025-26 की कक्षा 5वीं एवं 8वीं की वार्षिक परीक्षाओं के जिला स्तरीय परिणामों में डिंडोरी जिले ने प्रदेश स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। कक्षा 5वीं में जिले के कुल 13,135 विद्यार्थियों में से 13,042 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए, जिसके साथ जिले ने 99.29 प्रतिशत परिणाम के साथ प्रदेश में तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं कक्षा 8वीं में 11,640 विद्यार्थियों में से 11,493 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए और 98.74 प्रतिशत परिणाम के साथ प्रदेश स्तर पर द्वितीय स्थान हासिल किया।जिले की इस सफलता में विभिन्न विकासखण्डों की अहम भूमिका रही है। कक्षा 5वीं के ब्लॉकवार परिणामों में शाहपुरा विकासखण्ड ने प्रदेश में तृतीय स्थान तथा करंजिया विकासखण्ड ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार कक्षा 8वीं के परिणामों में डिंडोरी एवं समनापुर विकासखण्ड प्रदेश के शीर्ष 10 में स्थान बनाकर जिले का गौरव बढ़ाने में सफल रहे। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन में जिले की शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। जिला शिक्षा अधिकारी सुमन परस्ते, डीपीसी श्वेता अग्रवाल एवं अकादमिक परियोजना समन्वयक अमित गौलिया के नेतृत्व में शैक्षणिक गतिविधियों का प्रभावी संचालन किया गया। यह उपलब्धि जिले में शिक्षा की गुणवत्ता सुधार के लिए किए जा रहे सतत प्रयासों का परिणाम है।

स्वस्थ तन और मन के लिए याद रखें 5 नियम

हमारे शरीर की हर प्रणाली आपस में जुड़ी हुई है। इसलिए, हमारा शारीरिक स्वास्थ्य हमारे मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, और हमारा मानसिक स्वास्थ्य हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। हम इन नियमों को नियमों की तरह नहीं मानते हैं, क्योंकि ये जीवन का एक तरीका हैं।

पूरा पोषण लेना

पोषण लेने का मतलब यह नहीं है कि हम हर समय सलाद खाते रहते हैं, लेकिन यह सुनिश्चित करता है कि हम अपने शरीर को प्रोटीन, काबोर्हाइड्रेट, वसा से लेकर सभी विटामिन और खनिजों तक सभी पोषक तत्वों से भर दें। यह सुनिश्चित करते हुए कि हमारा कुल कैलोरी सेवन हमारे शरीर संरचना लक्ष्यों के अनुरूप है। यह भी सुनिश्चित करते हुए कि हमारे आहार में हमारे पसंदीदा और मुख्य खाद्य पदार्थ हैं। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि हमारे शरीर का 50-60 प्रतिशत हिस्सा पानी से बना है और हमें इष्टतम स्वास्थ्य, मस्तिष्क के कार्य आदि के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है।

व्यायाम और गतिविधि

सप्ताह में कम से कम 3-5 बार व्यायाम करना हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा होता है। व्यायाम का कोई भी रूप जो हमारे लिए सुरक्षित है, और जिसका हम आनंद लेते हैं, हम में से अधिकांश के लिए एक अच्छी शुरूआत है। दैनिक आधार पर सक्रिय रहने और अधिक कदम (8-10' कदम) चलने के साथ इसे जोड़ना एक आदर्श संयोजन बनाता है।

इसके बाद नींद आती है

हर रात 75 घंटे से ज्यादा सोना अच्छा होता है। पर्याप्त नींद भी हमारी उत्पादकता में सुधार करती है और लालसा, भूख को कम करती है, सूजन और भावनात्मक प्रतिक्रिया को कम करती है।

तनाव प्रबंधन और दिमागीपन

दूसरी ओर, तनाव प्रबंधन भी उतना ही महत्वपूर्ण है, अगर तनाव को ठीक से प्रबंधित किया जाए, तो यह वास्तव में हमें बेहतर प्रदर्शन करने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है। याद रखें, हमारे विचारों की गुणवत्ता हमारे जीवन की गुणवत्ता को निर्धारित करती है। इसलिए, हमें सक्रिय रूप से अपने दिमाग पर काम करना चाहिए, खुद को सुधारना चाहिए और अपने मानसिक दोषों को कम करना चाहिए। नियमित रूप से ध्यान करना और कृतज्ञता जर्नलिंग रूटीन रखना इनके लिए एक गेम चेंजर है।

पर्यावरण और नियमित प्रबंधन

पर्यावरण प्रबंधन में हमारे पर्यावरण में सब कुछ शामिल है। किचन में खाने से लेकर हमारी आदतों और सोशल मीडिया पर हम लोगों को फॉलो करते हैं। क्या हम अपने आत्म-विकास और हमारे लिए महत्वपूर्ण लोगों को पर्याप्त समय दे रहे हैं? यह उस तरह के लोगों तक भी फैलता है जिनसे हम खुद को घेरते हैं। खुद से पूछने के लिए कुछ प्रश्न : क्या वे हमें प्रेरित करते हैं? क्या वे हमें और हमारे लक्ष्यों का समर्थन करते हैं? क्या वे हमें सुधारने में मदद करते हैं? क्या हमारी दिनचर्या हमें स्वस्थ बनाती है, हमें मनुष्य बनाती है या हमें अधिक उत्पादक बनाती है? मैं अत्यधिक सुबह और सोने से पहले की दिनचर्या रखने की सलाह दूंगा।

लहसुन-अदरक के सेवन से रहें सेहतमंद

किसी भी बीमारी से लड़ने के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता का मजबूत होना बहुत जरूरी है। इस बात से हम सभी वाकिफ हैं और इसे मजबूत करने के लिए अपनी डाइट में पौष्टिक आहार व सही दिनचर्या का पालन करना भी जरूरी है। साथ ही ऐसी चीजों को अपनी डाइट में शामिल करने की आवश्यकता है, जो हमें अंदर से मजबूत बनाए। हमारी रसोई में वे सारी औषधियां मौजूद हैं जिनके गुणों से हम अभी भी अनजान हैं।

जी हां, आप अदरक-लहसुन का इस्तेमाल खाने के स्वाद को बढ़ाने के लिए जरूर करते होंगे, लेकिन क्या आप इसके सेहत लाभ के बारे में जानते हैं? लहसुन-अदरक के सेवन से आप निरोगी काया पा सकते हैं। लेकिन इसी के साथ इसका सेवन कैसे करना है, इस बारे में भी हमें पता होना आवश्यक है। अधिकतर लोग यह सोचते हैं कि केवल खाने में ही अदरक-लहसुन का सेवन काफी है लेकिन इसके अलावा भी आपको इनका सेवन करना चाहिए, क्योंकि खाने के पकने के दौरान इनके गुण कम हो जाते हैं। आइए जानते हैं इस लेख में लहसुन-अदरक के फायदों व सेवन करने के सही तरीके के बारे में।

इम्यून सिस्टम को कैसे करें मजबूत?

इम्यून को मजबूत करने के लिए लहसुन का इस्तेमाल करें। इसे खाने में पका के खाने की बजाय इसके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। कुछ देर इन्हें हवा लगने दें। लहसुन में एंटीमाइक्रोबियल तत्व पाया जाता है। ये तत्व वायरस, बैक्टीरिया व फंगस के खिलाफ काम करते हैं। लहसुन खाने से एंटीवायरस प्रोटेक्शन भी मिलता है।

लहसुन कैसे खाएं

इसके छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। इसे आप खाना खाने के बाद पानी के साथ ले सकते हैं। लहसुन को चबा-चबाकर खाने की बजाए इसे पानी के साथ सीधा निगल लें। इस तरह से लहसुन का सेवन करने से यह ज्यादा फायदेमंद होता है। लहसुन को 25 से 30 दिन नियमित खाने के बाद आपके अंदर से लहसुन की खूशबू आना शुरू हो जाएगी तब आप समझ जाएं कि इससे अधिक आपको लहसुन का सेवन नहीं करना है।
लहसुन कई लोगों को हजम नहीं होता है। इसके लिए आप इसका सेवन एकसाथ न करें व धीरे-धीरे इसकी आदत डालें। शुरुआत के समय आप लहसुन के एकदम छोटे से हिस्सा का सेवन करें, फिर इसी तरह धीरे-धीर इसे बढ़ाएं। जब आप लहसुन ले रहे हैं तो इसके साथ दही का सेवन भी करें।

अदरक

अदरक औषधीय गुणों से भरपूर है। इसके सेवन से आप अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत रख सकते हैं। इसका नियमित सेवन आपको कई स्वास्थ्य लाभ देगा।

अदरक को कैसे खाएं?

अदरक को बिलकुल बारीक पीस लें व कद्दूकस करें। आपको अदरक 1 चम्मच लेना है। इसमें 6 गिलास पानी डालें। अब इसे उबलने दें। जब यह पानी 3 गिलास हो जाए तो इसे 1 कप में निकाल लें। इसे आप गुड़ या शहद के साथ भी ले सकते हैं। दिनभर में एक बार इसका सेवन करें।

जानिए मुलेठी के ये गजब के फायदे

मुलहठी स्वाद में मीठी होने के साथ-साथ कई औषधि गुणों से भरपूर है। इसके सेवन से न सिर्फ खांसी में आराम मिलता है बल्कि इसके कई फायदे भी है। इसका इस्तेमाल आंखों के रोग, मुंह के रोग, गले के रोग, दमा, दिल के रोग, घाव के उपचार के लिए सदियों से किया जा रहा है आइए जानते हैं मुलहठी के गजब के फायदों के बारे में.

- अगर आप सूखी खांसी या गले की समस्याओं से परेशान हैं, तो मुलहठी आपके काम की चीज है। काली मिर्च के साथ पीस कर मुलहठी का सेवन, सूखी खांसी में तो लाभकारी है ही, साथ ही इसे चूसने या उबालकर सेवन करने से गले की खराश, दर्द आदि में भी लाभ होता है।
- मुलहठी चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करती है। इसे घिसकर लगाने पर चेहरे के दाग और मुंहासे ठीक हो जाते हैं, साथ ही यह आपकी त्वचा को जवा बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
- मुलहठी रक्त को भी शुद्ध करती है जिससे त्वचा की समस्याएं नहीं होती।
- दूध के साथ मुलहठी का सेवन शरीर की ताकत में वृद्धि करता है। इसके अलावा घी व शहद के साथ मुलहठी का प्रयोग करने से हृदय से संबंधित समस्याएं नहीं होती।
- मुंह में छाले हो जाने की स्थिति में मुलहठी चूसना, इसके पानी से कुल्ला करना और उसे पीना बहुत जल्दी छालों से राहत देता है। साथ ही मुलहठी आवाज को मधुर और सुरीली बनाने के लिए भी उपयोग की जाती है।
- पेट के अल्सर में मुलहठी का सेवन ठंडक देने के साथ ही लाभप्रद होता है। आंत की टीबी होने की स्थिति में भी मुलहठी फायदेमंद उपाय है।
- त्वचा या शरीर में कहीं जल जाने पर भी मुलहठी के चूर्ण और मक्खन का लेप एक कारगर उपाय है, साथ ही यह आंखों की रौशनी में भी वृद्धि करती है।

पेट से जुड़ी समस्याओं से हैं परेशान तो इन आसान उपायों से पाएं छुटकारा

लाइफस्टाइल में बदलाव का सीधा असर आपके स्वास्थ्य पर पड़ता है। गलत खान-पान आपकी सेहत को प्रभावित करता है, ऐसे में पेट से जुड़ी समस्या का होना आम बात है। जैसे पेट दर्द, गैस, पेट का फुलना आदि। वहीं कुछ लोग पेट अच्छी तरह साफ न होने की शिकायत रहती है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे उपाय बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप पेट साफ न होने की समस्या से निजात पा सकते हैं।

- बदहजमी से परेशान है, तो आपको पुदीने का सेवन करना चाहिए। पुदीना पेट को साफ करने में मदद करता है। इसका सेवन आप चटनी के रूप में भी कर सकते है।
- सौंफ और सफेद जीरा पाउडर को पहले तवे पर भून लें और फिर उसे मिलाकर पीस लें। अब इस पाउडर का सेवन या तो दिन में एक बार करें या फिर अगर पेट साफ न होने की समस्या से ज्यादा परेशान हैं, तो इसका सेवन दो से तीन बार करें। आपको पेट साफ न होने की समस्या से राहत मिलेगी।
- नियमित रूप से सुबह के समय गुनगुना पानी पीने की आदत बनाएं। इसके कई फायदे हैं। यह मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है और शरीर से सभी विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालता है। साथ ही पेट से जुड़ी समस्याओं से राहत मिलती है।
- अजवाइन का बीज गैस और बदहजमी की समस्या को दूर करता है और तुरंत पेट को साफ करता है। इसके लिए आप अजवाइन के बीज को भूनकर रख लें और खाना खाने के बाद कुछ बीजों को रोज चबाएं।

आलू का करें छिलके सहित इस्तेमाल जानिए इसके लाभ

सब्जी बनाते समय हम जब आलू का इस्तेमाल करते है, तो आमतौर पर लोग इसके छिलके निकाल कर फेंक देते है, और इसके बाद ही आलू का इस्तेमाल करते है, लेकिन क्या आप जानते हैं आलू को छिलके सहित इस्तेमाल करने के क्या सेहत लाभ मिलते हैं।

ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है

आलू में भरपूर मात्रा में पोटेशियम पाया जाता है, जो कि ब्लड प्रेशर को रेग्युलेट करने में मदद करता है।

मेटाबॉलिज्म ठीक रखता है

आलू के छिलकेमेटाबॉलिज्म को भी सही रखने में मददगार होते है। इन्हें खाने से नर्व्स को मजबूती मिलती है।

एनीमिया से दूर रखता है

आलू के छिलकेमें आयरन भी भरपूर मात्रा में होता है जिससे एनीमिया होने का खतरा बहुत हद तक कम हो जाता है।

ताकत

आलू के छिलकेमें भरपूर मात्रा में विटामिन बी3 पाया जाता है, जो कि शरीर को ताकत देने का काम करता है।

फाइबर से भरपूर

हमारी डाइट में फाइबर की कुछ मात्रा जरूर शामिल होना चाहिए और आलू के छिलकेमें अच्छी मात्रा में फाइबर्स होते हैं। ये डाइजेस्टिव सिस्टम को भी बूस्ट करने का काम करते है।

क्या खाना खाने के बाद चलना सेहतमंद है?

वॉकिंग करना यानी टहलना कई वजहों से हेल्थ के लिए फायदेमंद ही है। इसस दिल स्वस्थ रहता है, कैलोरी बर्न करने में मदद मिलती है, मूड को बेहतर बनाता है। लेकिन क्या खाना खाने के बाद वॉकिंग करना हेल्दी है? स्टडी से पता चलता है कि यह शरीर के लिए बहुत फायदेमंद है।

यह ब्लड शुगर को रखता है मैंटेन

डायबिटीज मैनेजमेंट में एक अहम हिस्सा आपकी फिजिकल एक्टिविटी होती है। टाइप 2 डायबिटीज रोगियों के साथ एक कंट्रोल्ड ट्रायल में पाया गया कि जो लोग अपने मुख्य भोजन के बाद वाकिंग करते थे उनका शुगर लेवल उन रोगियों की तुलना में कम था जो दिन में सिर्फ एक बार चलते थे।

दिल के लिए है अच्छा

एक्सरसाइज आपके दिल को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हर दिन चलने से आपको हृदय रोग का खतरा कम हो सकता है। दरअसल करेंट ओपिनियन इन कार्डियोलॉजी जर्नल में प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार वाकिंग करना कार्डियोवैस्कुलर हेल्थ, ब्लड सर्कुलेशन और ब्लडप्रेशर के लिए फायदेमंद होता है। इस तरह खाना खाने के बाद चलना आपके दिल की देखभाल करने का एक अच्छा तरीका है।

पाचन को रखता है दुरुस्त

रिसर्च कहती है कि फिजिकल एक्टिविटी के एंटी इन्फ्लेमेटरी एक्टिविटी के कारण खाना खाने के बाद चलना पाचन में सुधार कर सकता है। एक्सरसाइज से अपनी आंतों में फैट, लिपिड और ग्लूकोज मेटाबोलिज्म के परिवर्तनों को कम करने में मदद करते हैं जो इन्फ्लेमेटरी स्थितियों को कम कर सकते हैं।

लेकिन दुष्प्रभाव भी हैं

खाने के बाद वॉकिंग करना पेट में तकलीफ की वजह भी बन सकता है। इनमें अपच, मतली, उल्टी, पेट फूलना, गैस, दस्त, और दर्द शामिल हैं। यह एक हाई कार्बोहाइड्रेट सेवन या हाल ही में खाए गए खाद्य पदार्थों के पाचन में समस्याओं के कारण होता है। इससे बचने के लिए आपको चलने से 30 मिनट पहले इंतजार करना चाहिए।

चलना या वॉकिंग करना ऐसी एक्टिविटी है जिसे आप आसानी से अपनी रूटीन में शामिल कर सकते हैं। लेकिन क्या खाना खाने के बाद चलना सेहतमंद है?

बॉलीवुड में अपनी गायकी से भोजपुरी संगीत को दिलाई पहचान

पिछले कुछ वर्षों में भोजपुरी संगीत और कलाकारों की लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है। हिंदी फिल्मों में कई भोजपुरी सितारों ने अपनी आवाज और प्रतिभा से खास जगह बनाई है। इनमें पवन सिंह, मनोज तिवारी, शारदा सिन्हा, कल्पना पाटोवरी और मालिनी अवस्थी जैसे कलाकारों के नाम प्रमुख हैं। इन सितारों ने बॉलीवुड फिल्मों में अपनी गायकी से भोजपुरी संगीत को देशभर में नई पहचान दिलाई है। हाल ही में पवन सिंह ने फिल्म स्ट्रीट 2 के गाने आई नहीं से काफी लोकप्रियता हासिल की थी। इसके बाद से भोजपुरी और बॉलीवुड के बीच जुड़ाव और भी मजबूत होता नजर आ रहा है। इसी कड़ी में भोजपुरी इंडस्ट्री के चर्चित अभिनेता और नेता दिनेश लाल यादव निरहुआ ने बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता गोविंदा के साथ एक खास तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की है, जो तेजी से वायरल हो रही है। सोमवार को निरहुआ ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर यह तस्वीर पोस्ट की, जिसमें दोनों कलाकार मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं। तस्वीर के साथ निरहुआ ने भावुक संदेश भी लिखा। उन्होंने कैप्शन में लिखा, "आदरणीय बड़े भैया, हम सबके सबसे चहेते सुपरस्टार गोविंदा जी का आशीर्वाद और सानिध्य प्राप्त हुआ। हर हर महादेव।" यह पोस्ट सामने आते ही सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई और फैंस ने इसे खूब पसंद किया। तस्वीर पर कुछ ही समय में हजारों लाइक्स और व्यूज आ गए। फैंस लगातार कमेंट्स के जरिए दोनों सितारों के प्रति अपना प्यार जाहिर कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, "दो सुपरस्टार एक फ्रेम में।" वहीं एक अन्य यूजर ने गोविंदा की मशहूर फिल्म हीरो नंबर. 1 को याद करते हुए कमेंट किया। इसी तरह कई प्रशंसक इस तस्वीर पर लगातार प्रतिक्रिया दे रहे हैं। बता दें कि दिनेश लाल यादव निरहुआ भोजपुरी सिनेमा के लोकप्रिय गायक, अभिनेता और राजनेता हैं। उन्होंने कई हिट भोजपुरी फिल्मों और म्यूजिक वीडियो में काम किया है। स्क्रीन पर उनकी जोड़ी अभिनेत्री आम्रपाली दुबे के साथ काफी पसंद की जाती है। वर्ष 2019 में वह भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए थे और आजमगढ़ लोकसभा सीट से सांसद भी रह चुके हैं। वहीं गोविंदा हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के सबसे लोकप्रिय अभिनेताओं में गिने जाते हैं। उनकी चर्चित फिल्मों में राजा बाबू , कुली नंबर 1, साजन चले ससुराल, दुल्हे राजा, बडे मियां छोटे मियां और पार्टनर जैसी फिल्में शामिल हैं, जो आज भी दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं।1990 के दशक में उन्होंने अपनी शानदार कॉमेडी और बेहतरीन डांस मूव्स से दर्शकों के दिलों पर राज किया। उन्होंने 100 से अधिक फिल्मों में काम किया है।

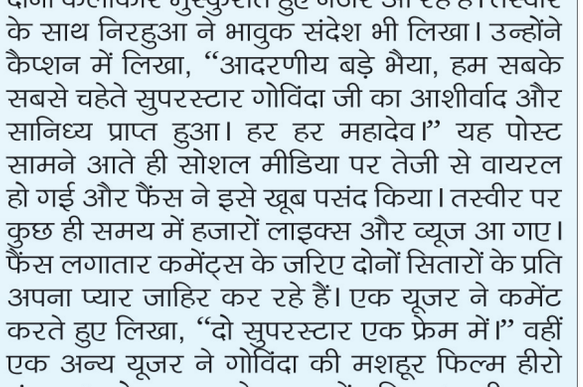

'हेट स्टोरी 3' के बाद जरीन की अभिनय क्षमता पर उठाए थे सवाल

हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में अपने अनुभवों को लेकर बॉलीवुड अभिनेत्री जरीन खान ने कई खुलासे किए हैं। अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म हेट स्टोरी 3 के बाद उन्हें इंडस्ट्री में काफी आलोचना सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि फिल्म में किए गए बोल्ड सीन के कारण कई लोगों ने उनकी अभिनय क्षमता पर सवाल उठाए और उन्हें नीचा दिखाने की कोशिश की। ज़रीन खान ने अपने करियर की शुरुआत वीर से की थी, जिसमें उनके साथ सलमान खान मुख्य भूमिका में थे। हालांकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हो सकी। इसके बाद वह हाउसफुल 2 और बाद में हेट स्टोरी 3 जैसी फिल्मों में नजर आईं। 'हेट स्टोरी 3' ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की, लेकिन इस फिल्म के बाद उन्हें इंडस्ट्री में आलोचना का सामना करना पड़ा। एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान ज़रीन ने बताया कि फिल्म के बोल्ड सीन को लेकर कई लोगों ने उनके बारे में नकारात्मक टिप्पणियां कीं। उनका कहना था कि कुछ लोगों ने यहां तक कहा कि वह अभिनय नहीं कर सकतीं, इसलिए उन्हें इस तरह के सीन करने पड़े। अभिनेत्री के मुताबिक, इस तरह की बातों से उन्हें काफी बुरा लगा और फिल्म की सफलता के बावजूद उन्हें सम्मानजनक व्यवहार नहीं मिला। फिल्म की सफलता के बाद ज़रीन को अक्सर 2 के लिए अप्रोच किया गया, जो 2006 में आई फिल्म अक्सर का सीक्वल थी। इस फिल्म का निर्देशन अनंत महादेवन ने किया था। ज़रीन का कहना है कि जब उन्हें फिल्म की कहानी सुनाई गई थी, तब इसे एक नॉयर थ्रिलर के रूप में पेश किया गया था। लेकिन शूटिंग शुरू होने के बाद उन्हें

महसूस हुआ कि फिल्म में कई ऐसे सीन शामिल किए जा रहे हैं, जिनकी जानकारी उन्हें पहले नहीं दी गई थी। अभिनेत्री के मुताबिक, सेट पर अक्सर ऐसे दृश्य जोड़े जा रहे थे जिनमें किसिंग सीन या रिवीलिंग कॉस्ट्यूम की मांग की जाती थी। उन्होंने कहा कि उन्हें बोल्ड सीन करने से कोई आपत्ति नहीं थी, लेकिन फिल्म की स्क्रिप्ट और वास्तविक शूटिंग के बीच काफी अंतर था। इस वजह से शूटिंग के दौरान कई बार तनावपूर्ण स्थिति भी पैदा हुई। ज़रीन खान ने यह भी बताया कि इन सब परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने फिल्म पूरी करने का फैसला किया क्योंकि वह नहीं चाहती थीं कि निर्माताओं को आर्थिक नुकसान हो। उनका कहना था कि वह काम के प्रति जिम्मेदार हैं और हमेशा किसी विवाद से बचते हुए बीच का रास्ता निकालने की कोशिश करती हैं। हालांकि फिल्म पूरी होने तक हालात इतने खराब हो गए थे कि उन्हें अपनी ही फिल्म की स्क्रीनिंग में आमंत्रित नहीं किया गया। अभिनेत्री का यह भी दावा है कि उस समय कई रिपोर्ट्स में उन्हें "नखरीली एक्ट्रेस" बताया गया, जबकि उनके पास ऐसे संदेश भी मौजूद हैं जिनमें निर्देशक खुद निर्माताओं की शिकायत करते दिखाई देते हैं।

शो में बचपन की यादों में खोते नजर आए अक्षय कुमार

क्विज रियलिटी शो व्हील ऑफ फार्च्यून की मेजबानी कर रहे बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने अपने बचपन से जुड़ा एक दिलचस्प अनुभव साझा किया। शो के एक एपिसोड में अक्षय कुमार बचपन की यादों में खोते नजर आए। उन्होंने बताया कि उनके पिता पहलवान थे और घर का माहौल हमेशा खेल और मार्शल आर्ट्स से जुड़ा रहता था। उनके अनुसार बचपन से ही घर में मार्शल आर्ट्स, कुश्ती और रेसलिंग की चर्चा आम बात थी। अक्षय ने बताया कि उनके पिता पेशेवर पहलवानों को जानते थे और कई बार उन्हें उन्हीं पहलवानों के साथ कुश्ती लड़ने के लिए कहते थे। अभिनेता ने कहा कि उस समय ये मुकाबले काफी कठिन होते थे, लेकिन उन्हीं अनुभवों ने उन्हें मजबूत बनाया और आज वही चीजें उनके काम आ रही हैं। शो में मौजूद प्रतियोगियों ख्याति रॉय, मीतू तनेजा और आकाश शर्मा के साथ बातचीत के दौरान अक्षय ने माता-पिता और बच्चों के रिश्ते पर भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि बचपन में मिले ये अनुभव न सिर्फ शारीरिक रूप से मजबूत बनाते हैं बल्कि मानसिक रूप से भी व्यक्ति को मजबूत करते हैं। यही वजह है

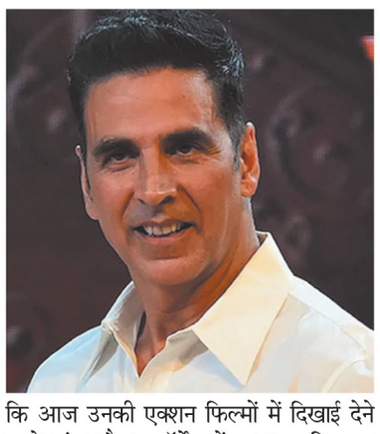

कि आज उनकी एक्शन फिल्मों में दिखाई देने वाले स्टंट और परफॉर्मेंस में यह आत्मविश्वास साफ नजर आता है। अक्षय कुमार ने इस मौके पर माता-पिता के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि हर माता-पिता को अपने बच्चों की रुचि और शौक को समझने की कोशिश करनी चाहिए। कई बार ऐसा होता है कि बच्चे पढ़ाई में ज्यादा रुचि नहीं लेते, लेकिन खेल, कला या किसी अन्य क्षेत्र में उनकी गहरी दिलचस्पी होती है। ऐसे में माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों को समझें और उनकी प्रतिभा को आगे बढ़ाने में मदद करें। उन्होंने सलाह देते हुए कहा कि अगर कोई बच्चा पढ़ाई में कमजोर है लेकिन किसी अन्य क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन कर सकता है, तो उसे पहले अपनी शिक्षा पूरी करने के लिए प्रेरित करना चाहिए और उसके बाद उसके सपनों को पूरा करने में उसका साथ देना चाहिए। अक्षय के अनुसार बच्चों को उस चीज से दूर नहीं करना चाहिए, जिसे करने में उन्हें खुशी मिलती हो। अभिनेता ने कहा कि हर बच्चे की रुचि अलग होती है। किसी को तैराकी पसंद होती है, किसी को बॉक्सिंग, किसी को मार्शल आर्ट्स तो किसी को क्विज प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना अच्छा लगता है। ऐसे में माता-पिता का सहयोग बेहद अहम होता है। उन्होंने कहा कि अगर परिवार का साथ मिले तो बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ता है और वह जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होता है।

'धुरंधर' में दर्शकों के लिए आगे और भी सरप्राइजः विक्रम भांबरी

बॉलीवुड अभिनेता विक्रम भांबरी ने बताया कि धुरंधर फिल्म को लेकर दर्शकों का रिस्पॉन्स काफी शानदार रहा है। उनके मुताबिक दर्शकों ने अभी तक जो देखा है, वह सिर्फ शुरुआत है और कहानी में आगे कई दिलचस्प मोड़ आने वाले हैं। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ेगी, वैसे-वैसे हर किरदार अपनी पूरी ताकत के साथ उभरकर सामने आएगा। हाल ही में उन्होंने एक बातचीत के दौरान फिल्म से जुड़े अनुभव, दर्शकों की प्रतिक्रिया और बड़े कलाकारों के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया। उनका मानना है कि यह फिल्म दर्शकों को हर लिहाज से एक नया और रोमांचक अनुभव देने वाली है। फिल्म में काम करने के मौके को लेकर विक्रम ने कहा कि यह उनके करियर का एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ है। उन्होंने इसे भगवान की कृपा और अपने आसपास के लोगों के समर्थन का परिणाम बताया। अभिनेता के अनुसार 'धुरंधर' जैसी बड़ी फिल्म का हिस्सा बनना उनके लिए चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ बेहद सीख देने वाला अनुभव भी रहा। उन्होंने कहा कि जब किसी बड़े प्रोजेक्ट पर काम करते हैं तो लोग सिर्फ अभिनय ही नहीं, बल्कि कलाकार के व्यवहार, अनुशासन और पेशेवर रवैये को भी करीब

से देखते हैं। विक्रम ने आगे बताया कि फिल्म के सेट पर हर कलाकार को यह भी ध्यान रखना पड़ता है कि निर्देशक किसी किरदार को किस नजरिए से देख रहे हैं। कई बार ऐसा होता था कि उन्हें लगता था कि किसी सीन को अलग तरीके से भी निभाया जा सकता है, लेकिन निर्देशक की सोच कुछ और होती थी। हालांकि उन्होंने कहा कि निर्देशक आदित्य धर के साथ काम करने का अनुभव बेहद खास रहा। अभिनेता के अनुसार आदित्य धर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि वह कलाकारों को अपनी रचनात्मकता दिखाने का पूरा मौका देते हैं। अगर उन्हें लगता है कि कोई कलाकार किसी सीन में नया प्रयोग कर सकता है, तो वह उसे अलग तरीके से निभाने के लिए प्रोत्साहित भी करते हैं। इसी खुले माहौल के कारण फिल्म की शूटिंग के दौरान चुनौती और मजा दोनों का अनुभव मिला। फिल्म 'धुरंधर' को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्सुकता देखी जा रही है। फिल्म की रिलीज से पहले ही इसकी एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है, जिससे साफ है कि प्रशंसकों में इसे देखने की जबरदस्त दिलचस्पी है। बताया जा रहा है कि फिल्म 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी और इसकी कहानी तथा कलाकारों की परफॉर्मेंस को लेकर दर्शकों की उम्मीदें काफी ऊंची हैं। मालूम हो कि अभिनेता विक्रम भांबरी इन दिनों अपनी फिल्म धुरंधर को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच बढ़ती उत्सुकता और मिल रहे सकारात्मक रिस्पॉन्स से अभिनेता बेहद उत्साहित नजर आ रहे हैं।

कॉमेडियन जाकिर खान की सेहत को लेकर फैंस ने जताई चिंता

मशहूर कॉमेडियन जाकिर खान ने अपने स्टेज शो से लंबे समय के लिए ब्रेक लेने की घोषणा की थी, जिसके बाद उनके फैंस के बीच तरह-तरह की अटकलें लगने लगी थीं। सोशल मीडिया पर कॉमेडियन का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह अस्पताल के बेड पर बैठे नजर आ रहे हैं। वीडियो देखने के बाद फैंस उनकी सेहत को लेकर चिंता जता रहे हैं। दरअसल यह क्लिप जाकिर खान के छोटे भाई अरबाज खान के रमजान व्लॉग का हिस्सा है। व्लॉग में अरबाज अपने दर्शकों को उस कमरे में ले जाते हैं, जहां जाकिर भर्ती हैं। वीडियो में जाकिर मुंबई के लीलावटी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में भर्ती दिखाई देते हैं और उन्होंने अस्पताल का गाउन पहन रखा है, जिस पर अस्पताल का नाम भी साफ नजर आता है। वीडियो में जाकिर अपने भाई के साथ समय बिताते दिखाई दे रहे हैं। दोनों अस्पताल के कमरे में बैठकर भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे टी20 क्रिकेट मैच का आनंद लेते नजर आते हैं। व्लॉग के एक हिस्से में जाकिर मैच पर टिप्पणी करते हुए कहते हैं, "मैच अभी फंसा हुआ है।" इस हल्के-फुल्के पल के बावजूद वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर उनके फैंस चिंतित हो गए और लगातार उनकी सेहत के बारे में सवाल पूछने लगे। वीडियो वायरल होने के बाद कई लोगों ने कमेंट करके उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। सोशल मीडिया पर "गेट वेल सून" जैसे संदेशों की भरमार देखने को मिली। फैंस का कहना है कि वे अपने पसंदीदा कॉमेडियन को जल्द से जल्द स्वस्थ होकर मंच पर लौटते देखना चाहते हैं। जाकिर खान के अस्पताल में होने की चर्चा इसलिए भी तेज हो गई है क्योंकि उन्होंने हाल ही में अपने स्टैंडअप करियर से लंबा ब्रेक लेने की घोषणा की थी। जनवरी में हैदराबाद में एक शो के दौरान उन्होंने दर्शकों को बताया था कि वह कुछ समय के लिए परफॉर्मिंग से दूर रहना चाहते हैं। कॉमेडियन ने उस दौरान कहा था कि वह लंबा ब्रेक लेने की योजना बना रहे हैं, जो संभवतः 2028, 2029 या 2030 तक चल सकता है। उन्होंने बताया कि यह तीन से पांच साल का अंतराल हो सकता है, ताकि वह अपनी सेहत पर ध्यान दे सकें और जीवन की कुछ अन्य चीजों को भी संभाल सकें।

अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा ने खरीदा अपना शानदार घर

करीब दस साल की मेहनत और संघर्ष के बाद अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा ने अपना शानदार घर खरीद लिया है। सान्या ने सोशल मीडिया के जरिए फैंस को अपने नए घर की झलक भी दिखाई है। सान्या मल्होत्रा को फिल्म इंडस्ट्री में आए अब लगभग एक दशक हो चुका है। इस दौरान उन्होंने अपने अभिनय के दम पर इंडस्ट्री में मजबूत पहचान बनाई है। अब इसी मेहनत का नतीजा है कि उन्होंने अपना एक और सपना पूरा करते हुए मुंबई में अपना खूबसूरत घर खरीदा है। अभिनेत्री ने अपने गृहप्रवेश की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं, जिनमें वह अपने माता-पिता के साथ बेहद खुश नजर आ रही हैं। सान्या ने अपने नए घर का होम टूर भी फैंस के साथ साझा किया है। तस्वीरों में उनके घर का इंटीरियर बेहद एलिगेंट और सुकून भरा नजर आता है। घर के अलग-अलग हिस्सों को बड़े ही सलीके से सजाया गया है, जिससे पूरे घर में एक कूल और पॉजिटिव वाइब दिखाई देती है। इन तस्वीरों के साथ अभिनेत्री ने अपने भावनात्मक अनुभव भी साझा किए। उन्होंने लिखा, "हर हर महादेव। सालों के सपने, मेहनत, सीखना और विकास का यह फल है। इस घर की हर दीवार मुझे याद दिलाएगी कि धैर्य और विश्वास का परिणाम कितना सुंदर हो सकता है। इस पूरी यात्रा में मेरे परिवार और दोस्तों का भरोसा मेरी सबसे बड़ी ताकत रहा है।" उन्होंने आगे कहा कि यह घर सिर्फ एक मकान नहीं, बल्कि उनकी जिंदगी की लंबी यात्रा का अहम हिस्सा है। उन्होंने अपने संदेश के अंत में लिखा, "मेरे घर में आपका स्वागत है।" गौरतलब है कि सान्या मल्होत्रा ने न सिर्फ अपनी निजी जिंदगी में, बल्कि प्रोफेशनल लाइफ में भी शानदार सफलता हासिल की है। उनकी ओटीटी फिल्म कथाल । और मिसेज. को दर्शकों और समीक्षकों से काफी सराहना मिली। खासतौर पर फिल्म 'मिसेज' में निभाए गए उनके किरदार ऋचा को काफी पसंद किया गया। इस फिल्म के लिए सान्या मल्होत्रा को कई प्रतिष्ठित पुरस्कार भी मिले। उन्हें फिल्मफेयर ओटीटी अवार्डस 2025 में बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड दिया गया। इसके अलावा शोशा रील अवार्डस 2026 और न्यूयार्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल 2024 में भी उन्हें इसी फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के सम्मान से नवाजा गया।

नर्मदा-हिरन नदी में रेत माफिया का कहर

15 दिनों में सैकड़ों हाइवा रेत की चोरी, कार्रवाई पर उठे सवाल

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जिले में रेत माफिया का आतंक एक बार फिर खुलकर सामने आया है। नर्मदा और हिरन नदी के चिन्हित घाटों पर बीते 15 दिनों से अवैध खनन धड़ल्ले से जारी है। आरोप है कि इस दौरान माफिया सैकड़ों हाइवा रेत की चोरी कर चुके हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पाए हैं। जानकारी के अनुसार शहपुरा, बेलखेड़ा, चरगवां और मझगवां क्षेत्र में रात के समय 6 से 8 घंटे तक लगातार नदियों से रेत निकाली जा रही है। रात के अंधेरे में चल रहे इस अवैध खनन से न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है, बल्कि नदियों का अस्तित्व भी खतरे में पड़ता जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नर्मदा के पानी की गुणवत्ता भी प्रभावित हो रही है। सूत्रों का आरोप है कि रेत माफिया को प्रभावशाली लोगों का संरक्षण प्राप्त है, जिसके चलते प्रशासनिक कार्रवाई ठंडी पड़ी हुई है। यही कारण है कि प्रतिबंध और चौकसी के बावजूद माफिया बेखौफ होकर नर्मदा, बेलकुंड और हिरन नदी से रेत का उत्खनन कर रहे हैं। माफिया द्वारा जेसीबी और पोकलेन मशीनों की मदद से बड़े पैमाने पर रेत निकाली जा रही है। रात 10 बजे से सुबह 4 बजे तक ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और हाइवा वाहनों से रेत का परिवहन कर शहर तक पहुंचाया जा रहा है। पंचायत क्षेत्रों में रेत का अवैध स्टॉक भी जमा किया जा रहा है, जहां से रोजाना बड़ी मात्रा में सप्लाई की जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार बरसात के समय किए गए उत्खनन का भारी स्टॉक पहाड़ी इलाकों में रखा गया है, जिससे रोजाना 50 से अधिक हाइवा रेत का परिवहन किया जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि कागजों में स्टॉक जस का तस दिखाया जा रहा है, जबकि जमीनी स्तर पर लगातार खपत हो रही है। स्थानीय स्तर पर इस अवैध खनन को लेकर ग्रामीणों और दबंगों के बीच विवाद की स्थिति भी बन रही है। इसके बावजूद प्रशासन की निष्क्रियता पर सवाल उठ रहे हैं। मामले में सख्त कार्रवाई की मांग तेज हो गई है, ताकि नदियों को बचाया जा सके और अवैध खनन पर रोक लगाई जा सके।

ललितपुर सिंगरौली नई रेल लाइन पर 120 किमी/घंटा की स्पीड ट्रायल सफल, जल्द मिलेगी यात्री सुविधा

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

पश्चिम मध्य रेलवे के अंतर्गत ललितपुरझसिंगरौली नई रेल लाइन परियोजना में एक महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की गई है। नागौदझलवारे खंड पर मंगलवार को रेल संरक्षा आयुक्त (सीआरएस) द्वारा गहन निरीक्षण के बाद 120 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से सफल स्पीड ट्रायल किया गया। मध्य/पूर्व वृत्त (मुंबई) के रेल संरक्षा आयुक्त गुरुप्रसाद ने 24 मार्च को नागौद से फूलवारी के बीच लगभग 15 किलोमीटर लंबे नए रेल ट्रैक का करीब पांच घंटे तक बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान ट्रैक की गुणवत्ता, पॉइंट्स व क्रॉसिंग, ब्रिज संरचनाएं, गर्डर स्पैन, स्लीपर, बैलेस्ट, ग्लू जॉइंट, ओएचई लाइन, समपार फाटक और स्टेशन यार्ड सहित सुरक्षा से जुड़े विभिन्न तकनीकी पहलुओं की गहन जांच की गई। निरीक्षण के उपरांत सीआरएस ने फूलवारी से नागौद तक पूरे सेक्शन में अधिकतम 120 किमी/घंटा की गति से इंजन दौड़ाकर सफल स्पीड ट्रायल भी लिया। इस दौरान मुख्यालय और निर्माण से जुड़े कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। जबलपुर रेल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरेजा सहित वाणिज्य, संरक्षा और परिचालन विभाग के अधिकारी भी निरीक्षण के समय उपस्थित रहे। स्पीड ट्रायल के सफल होने से क्षेत्रीय लोगों में खासा उत्साह देखा गया। स्थानीय नागरिकों को अब इस रूट पर जल्द रेल सुविधा मिलने की उम्मीद जगी है। मंडल रेल प्रबंधक ने बताया कि यह नया रेल लाइन खंड शीघ्र ही यात्रियों के लिए शुरू किया जाएगा, जिससे क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मजबूत होगी और आवागमन के लिए सुरक्षित व बेहतर विकल्प उपलब्ध हो सकेगा।

रिश्वत लेती महिला आरक्षण को लोकायुक्त पुलिस ने रंगे हाथों पकड़ा

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

लोकायुक्त पुलिस जबलपुर की टीम ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बरगी क्षेत्र में वाहन चालकों से अवैध वसूली कर रही आरटीओ की महिला आरक्षक और उसके एक प्राइवेट सहयोगी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता प्रशांत दत्तात्रेय जाधव (निवासी खारघर, नवी मुंबई) की कई गाड़ियां जबलपुर होते हुए उत्तरप्रदेश व अन्य राज्यों में माल परिवहन करती हैं। 25 मार्च को उनकी एक गाड़ी (नंबर ऊऊ 01ढ09764) नागपुर-जबलपुर हाईवे से गुजर रही थी, तभी बरगी के पास तैनात आरटीओ आरक्षक श्वेता अहिरवार और उनके सहयोगी मोहित साहू ने वाहन निकालने के एवज में 4500 रुपए की रिश्वत की मांग की मामले की शिकायत लोकायुक्त एसपी अंजू पटले को दी गई, जिसके बाद शिकायत का सत्यापन कर एक विशेष ट्रैप दल का गठन किया गया। टीम ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को रिश्वत लेते हुए मौके पर ही धर दबोचा। नागपुर-जबलपुर हाईवे स्थित बरगी क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए महिला आरक्षक श्वेता अहिरवार और प्राइवेट कर्मचारी मोहित साहू को वाहन चालक से 4500 रुपए लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया दोनों आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धारा 7, 12, 13(1)(इ) और 13(2) के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

ट्रेप दल सदस्य- ट्रेप कर्ता निरीक्षक राहुल गजभिए, निरीक्षक सुश्री शशि मर्सकोले, निरीक्षक बृजमोहन सिंह नरवरिया, निरीक्षक जीतेंद्र यादव एवं लोकायुक्त जबलपुर का दल।

भांजे के पुराने विवाद में मामा पर हमला, गर्दन पर नुकीले हथियार से वार

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

हनुमानताल थाना क्षेत्र में पुराने विवाद को लेकर एक व्यक्ति पर जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। भांजे से हुए झगड़े की रंजिश में आरोपी ने मामा को निशाना बनाते हुए उस पर नुकीले हथियार से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के अनुसार कसाई मंडी दारूल उलूम के पीछे रहने वाला राशिद अंसारी, जो पेशे से ऑटो चालक है, मंगलवार दोपहर करीब ढाई बजे अपने घर के सामने टहल रहा था। इसी दौरान क्षेत्र का रहने वाला चिन्टू उर्फ इस्लाम वहां पहुंचा और राशिद के भांजे सोहेल से हुए पुराने विवाद को लेकर उससे गाली-गलौज करने लगा। राशिद द्वारा विरोध करने पर आरोपी ने अचानक आक्रामक होकर किसी नुकीली वस्तु से उसकी गर्दन पर हमला कर दिया। हमले में राशिद को गंभीर चोट आई। वहीं बीच-बचाव करने के दौरान उसके हाथ में भी चोटें आई हैं। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया और जाते-जाते जान से मारने की धमकी भी दी। घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हनुमानताल पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। इलाके में हुई इस घटना से लोगों में दहशत का माहौल है।

ताला तोड़कर मकान पर कब्जा, मालिक को दी जान से मारने की धमकी, मामला दर्ज

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

शहर के अधारताल थाना क्षेत्र में एक मकान का ताला तोड़कर जबरन कब्जा करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि कुछ लोगों ने रात के समय मकान में घुसकर कब्जा कर लिया और जब मकान मालिक वहां पहुंचा तो उसे धमकाते हुए खुद को मालिक बताने लगे। पुलिस के अनुसार दुर्गानगर अधारताल निवासी 33 वर्षीय जकी असरफ, जो बड़ोदरा फार्मा कंपनी में कार्यरत हैं, ने आयशानगर स्थित अपना मकान किराये पर असलम खान को 3 हजार रुपये प्रतिमाह पर दिया था। असलम 8 मार्च 2026 से उक्त मकान में रह रहा था। घटना का खुलासा तब हुआ जब 23 मार्च की सुबह जकी असरफ के भाई इकबाल ने फोन कर जानकारी दी कि 22 मार्च की रात करीब 9:30 बजे अफजल, शाहिद और दो अन्य महिलाएं मकान का ताला तोड़कर अंदर घुस गईं और वहीं रहने लगीं। सूचना मिलने पर जकी असरफ अपने भाइयों वकार और असरफ के साथ मौके पर पहुंचे। मौके पर पहुंचने पर उन्होंने देखा कि मकान का ताला टूटा हुआ है और आरोपी अंदर मौजूद हैं।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से साड़ी बेचने वाली दो महिलाएं घायल, आरोपी चालक पर मामला दर्ज

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

शहर के गोरखपुर थाना क्षेत्र में लापरवाह बाइक चालक की टक्कर से फेरी लगाकर साड़ी बेचने वाली दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसा कृपाल चौक के पास हुआ, जहां पीछे से आई तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने दोनों को जोरदार टक्कर मार दी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शबाना और सरोज बाई पारस क्षेत्र में फेरी लगाकर साड़ी बेचने का काम करती हैं। मंगलवार को दोनों महिलाएं कृपाल चौक के पास जा रही थीं, तभी मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 20 जेडसी 3986 के चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए उन्हें पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों महिलाएं सड़क पर गिर पड़ीं और उनके हाथ, पैर व शरीर में गंभीर चोटें आईं। घटना के समय पीछे चल रहे शबाना के बहनोई असरफ ने तुरंत मौके पर पहुंचकर दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। डॉक्टरों के अनुसार दोनों की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। सूचना मिलते ही गोरखपुर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और आरोपी बाइक चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 281 और 125(ए) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की पहचान कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

गाड़ी खड़ी करने के मामूली विवाद ने लिया हिंसक रूप, कबाड़ी पर डंडे से हमला, गंभीर रूप से घायल

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

शहर के हनुमानताल थाना क्षेत्र में गाड़ी खड़ी करने को लेकर शुरू हुआ एक मामूली विवाद अचानक हिंसक झड़प में बदल गया, जिसमें एक कबाड़ी पर डंडे से हमला कर दिया गया। इस घटना में पीड़ित के चेहरे और पैर में गंभीर चोटें आई हैं। घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि छोटी-छोटी बातों पर बढ़ती आक्रामकता किस तरह लोगों की जान पर बन रही है। पुलिस के अनुसार बाबाटोला ठक्कर ग्राम निवासी कल्लू मंसूरी, जो कबाड़ी का काम करता है, मंगलवार दोपहर लगभग 1 बजे अपने साथी गुड्डू उर्फ नईम के साथ हड्डी गोदाम क्षेत्र स्थित बादशाह मिठाई दुकान के पास चाय पीने पहुंचा था। इस दौरान उसने अपनी गाड़ी पास ही एक मकान के सामने खड़ी कर दी, जो स्थानीय निवासी कलाम का घर बताया जा रहा है। बताया जाता है कि कलाम ने गाड़ी हटाने को कहा, जिस पर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ता चला गया और गुस्से में आकर कलाम ने डंडा उठाकर कल्लू मंसूरी पर हमला कर दिया। हमले में कल्लू की आंख के नीचे गंभीर चोट आई, वहीं उसके पैर में भी चोटें दर्ज की गई हैं। घटना के दौरान आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव कर किसी तरह स्थिति को संभाला और घायल को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों के अनुसार पीड़ित की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है, लेकिन उसे गहरी चोटें आई हैं। घटना की सूचना मिलते ही हनुमानताल पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि क्षेत्र में आए दिन छोटी-छोटी बातों पर विवाद बढ़कर मारपीट में बदल रहे हैं, जिससे लोगों में भय का माहौल बनता जा रहा है। उन्होंने पुलिस से ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

सबूतों के अभाव में नाबालिग अपहरण व गैंगरेप केस में 6 आरोपी बरी, कोर्ट ने पीड़िता को माना बालिग

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

बहुचर्चित अपहरण और सामूहिक दुष्कर्म मामले में पॉक्सो एक्ट की विशेष अदालत ने बड़ा फैसला सुनाते हुए सभी छह आरोपियों को बरी कर दिया। विशेष न्यायाधीश निशा गुप्ता की अदालत ने स्पष्ट कहा कि अभियोजन पक्ष आरोप साबित करने के लिए पर्याप्त और ठोस सबूत पेश नहीं कर सका। मामला गोराबाजार थाना क्षेत्र का है, जहां 9 सितंबर 2021 को एक महिला ने अपनी बेटी के अपहरण की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया था कि लड़की ने खुद फोन कर अपहरण की जानकारी दी। पुलिस ने अगले ही दिन 10 सितंबर को युवती को बरामद कर लिया था। पीड़िता ने अपने बयान में आरोप लगाया था कि सागर मिश्रा ने उसे शादी के बहाने अपने एक दोस्त के घर बुलाया, जहां सागर और उसके साथियों ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। इस आधार पर पुलिस ने निक्की उर्फ निकलेश, दिलीप उर्फ दीपक, शाहिद खान, अफजल उर्फ अमजद खान, सागर उर्फ बाली मिश्रा और जॉनमनी के खिलाफ मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया था और चालान न्यायालय में पेश किया गया। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने कई महत्वपूर्ण तर्क रखे। अधिवक्ता अभिषेक श्रीवास्तव ने दलील दी कि कथित पीड़िता नाबालिग नहीं, बल्कि बालिग है। एफआईआर दर्ज करने में करीब 10 घंटे की देरी हुई। वहीं मेडिकल जांच में दुष्कर्म की पुष्टि नहीं हुई और शरीर पर किसी प्रकार के चोट के निशान भी नहीं मिले। अदालत ने पाया कि पीड़िता की उम्र के निर्धारण के लिए कोई ठोस दस्तावेज, जैसे जन्म प्रमाण पत्र या एक्स-रे रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की गई। साथ ही डीएनए साक्ष्य भी आरोपियों के खिलाफ नहीं मिले। इन सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए अदालत ने कहा कि केवल आरोपों के आधार पर दोष सिद्ध नहीं किया जा सकता। पर्याप्त साक्ष्यों के अभाव में सभी आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया गया। फैसले के बाद यह मामला एक बार फिर न्यायिक प्रक्रिया और साक्ष्यों की महत्ता को लेकर चर्चा में आ गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक डॉ. राजेश जायसवाल के लिए, मां रेवा पब्लिकेशन जबलपुर 68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड मुस्कान प्लाजा के पीछे एम.आर.-4 रोड उखरी जबलपुर (म.प्र.) से मुद्रित और कल्चुरी भवन हाउस नं. 3367/1, विवेक नगर, आधारताल, जबलपुर (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक : डॉ.राजेश जायसवाल* सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के जिम्मेदार। आरएनआई नं. MPHIN/2014/60079 मो. 9425154229, फोन-0761-4085321 e-mail: tripuritimes@gmail.com